आश्विन कृष्ण पक्ष-प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 81 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 सितंबर 2026
रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31.0 अधिकतम
22.2 न्यूनतम

कोहली सबसे तेज 15 हजार वनडे रन से 59 रन दूर

गर्ल्स हॉस्टल के पास जुटे हजारों छात्र... तोड़फोड़ के बाद मुख्य गेट पर हंगामा

छात्रा से रेप की अफवाह... लवली यूनिवर्सिटी में बवाल, कैंपस में आग लगाई.. हाई-वे जाम

जालंधर, एजेंसी

पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) परिसर में देर रात भारी तनाव पैदा हो गया। सोशल मीडिया और कैंपस में एक छात्रा के साथ कथित गैंगरेप या खुदकुशी की अपुष्ट खबरें फैलने के बाद करीब 2,000 छात्र गर्ल्स हॉस्टल के पास इकट्ठा हो गए. देखते ही देखते छात्रों का गुस्सा बेकाबू हो गया। गुस्साए छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर नेशनल हाईवे को जाम कर दिया और यातायात पूरी तरह ठप कर दिया। इसके बाद भीड़ ने यूनिवर्सिटी परिसर के एक हिस्से में आग लगा दी और जमकर उत्पात मचाया। रात करीब ढाई बजे शुरू हुआ जाम अब भी लगा हुआ है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने स्टूडेंट्स से अपील की है कि वे अफवाह पर ध्यान न दें। यूनिवर्सिटी भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल की है।

शनिवार देर रात सोशल मीडिया पर एक संदिग्ध मैसेज तेजी से फैला। दावा किया गया कि किसी बाहरी व्यक्ति ने गर्ल्स हॉस्टल में घुसकर एक छात्रा के साथ रेप किया है। मैसेज वायरल होते ही छात्रों का गुस्सा भड़क गया। वे हॉस्टल के बाहर जमा होने लगे। छात्रों ने देर रात सुरक्षाकर्मियों और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों का आरोप था कि कैंपस में सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इससे बाहरी लोग आसानी से अंदर आ जाते हैं। गुस्साए छात्रों ने कैंपस की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया और एक जगह आग लगा दी।

इसके बाद प्रदर्शनकारी छात्र यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट की ओर बढ़े और वहां तोड़फोड़ की। मुख्य गेट से बाहर निकलकर छात्रों ने चंडीगढ़-अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना दे दिया। इससे हाईवे गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई।

भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल की है यूनिवर्सिटी

रेप पीड़िता के सुसाइड का दावा

छात्रों की ओर से एक वीडियो भी शेयर किया जा रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो उस छात्रा का है, जिसका रेप हुआ। छात्रों का आरोप है कि रेप की शिकायत छात्रा ने हॉस्टल वॉर्डन और मैनेजमेंट से की थी। उन्होंने छात्रा की सुनवाई नहीं की। उल्टा छात्रा को घर भेज दिया। छात्रों का दावा है कि 2 दिन बाद छात्रा अपने घर से यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में लौटी। इसके बाद उसी रात उसने हॉस्टल की छत से कूदकर अपनी जान दे दी।

सोशल मीडिया से गलतफहमी!

कपूरथला के एसएसपी गौरव तूरा ने स्पष्ट किया कि छात्रों के दावे गलतफहमी और अफवाहों पर आधारित हैं। उन्होंने बताया, 'कैंपस के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के पास चार-पांच दिन पहले एक लड़की ने खुदकुशी की थी, लेकिन उस घटना का छात्रों के बीच चल रहे रेप के दावों से कोई संबंध होने की शिकायत पुलिस को नहीं मिली है। ' पुलिस अधिकारी ने कहा कि न तो कथित पीड़िता की पहचान हुई है और न ही किसी आरोपी की। सोशल मीडिया पर एक कर्मचारी के शामिल होने के आरोप भी लगाए जा रहे थे, जिसकी पुलिस ने कोई पुष्टि नहीं की है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन की अपील

छात्रों के हंगामे के बाद एलपीयू प्रशासन की ओर से बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया- प्रिय छात्रो, हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि सभी छात्र कैंपस में पूरी तरह सुरक्षित हैं। सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहें झूठी और भ्रामक हैं, और इन्हें शरारती तत्वों द्वारा फैलाया गया है। बयान में आगे कहा गया- आपको सलाह दी जाती है कि आप किसी भी अराजकता में भाग न लें, अपने हॉस्टल/ कमरे/ आवास के अंदर सुरक्षित रहें, और किसी भी उत्तेजक या विघटनकारी गतिविधियों में शामिल होने से बचें। कृपया परिसर में शांत और व्यवस्थित माहौल बनाए रखने में सहयोग करें।

भारत V/s वेस्टइंडीज पहला मैच आज

तिरुवनंतपुरम। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज खेला जाएगा। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में दोपहर 2 बजे से मैच शुरू हो रहा है। भारत ने इस साल 3 वनडे सीरीज खेलीं। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हार मिली, जबकि टीम ने अफगानिस्तान को हराया।

विराट कोहली सबसे तेज 15 हजार वनडे रन से 59 रन दूर हैं। उन्होंने 302 पारियों में 14,941 रन बनाए हैं। सचिन तेंदुलकर ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में 15 हजार रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ कोहली के नाम 43 मैच में 2261 रन और 9 शतक हैं। एक और सेंचुरी लगाते ही वे दो अलग-अलग टीमों के खिलाफ 10-10 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। श्रीलंका के खिलाफ वे पहले ही ऐसा कर चुके हैं।

वनडे का सुपर संडे- ...देखें पेज 7

असम पुलिस ने आशुतोष रांका को हिरासत में लिया

गुवाहाटी। असम पुलिस ने सीजेपी नेता आशुतोष रांका को हिरासत में लिया है। सीजेपी संस्थापक

अभिजीत दीपके ने ये दावा किया है। दीपके ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि आशुतोष रांका और उनकी टीम को पुलिस किसी अज्ञात स्थान पर लेकर गई है। बाद में दीपके ने एक अन्य ट्वीट में ये भी कहा कि पुलिस वकीलों को मिलने नहीं दे रही है।

न्यूज विंडो

गृहमंत्री आज गुजरात में एलएनजी ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान वह भारत की पहली LNG (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से चलने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन की खास बात यह है कि यह एक बार पूरी तरह से भरे टैंक में 2200 किलोमीटर तक की लंबी दूरी तय कर सकती है। यह ट्रेन पूरी तरह से LNG बेस्ड होगी। हालांकि, इसका इंजन LNG और डीजल दोनों पर चल सकता है। यानी कि फ्यूल की मात्रा के हिसाब से इंजन स्हल और डीजल के बीच स्विच कर सकता है।

मणिपुर में 2 नगा नागरिकों की हत्या, कुकी पर लगा आरोप

सेनापति। मणिपुर के सेनापति जिले के कलेंजांग गांव में मुखिया के घर में मौजूद लोगों पर हथियारबंद हमलावरों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में दो नगा लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना शनिवार दोपहर को हुई। मृतकों की पहचान रॉकी माओ और कुमार पुमई के रूप में हुई है। घायलों की पहचान अदानी मैनियो और आशिहो सानी के रूप में हुई है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भोपाल में शिक्षक मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता समेत तीन प्रमुख मांगों को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने आज से राजधानी के नीलम पार्क में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मोर्चे ने भोपाल में धरने को चरणबद्ध तरीके से आयोजित करने की रूपरेखा बनाई है। अलग-अलग संभागों के शिक्षक इसमें शामिल हो रहे हैं।

आज का कार्टून

आज बैंक खुले, एटीएम भी फ्री कल से तीन दिन की हड़ताल

नई दिल्ली। बैंक से जुड़ा आपका कोई काम अगर पेंडिंग है तो उसे आज ही निपटा लें। रविवार की छुट्टी होने के बावजूद आज सरकारी बैंक खुले हैं। कल से बुधवार तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन छुट्टी की मांग को लेकर अगले 3 दिन हड़ताल पर रहेंगे।

रविवार को बैंक खुलने का मौका 10 साल बाद आया है। इससे पहले, 2016 में नोटबंदी के बाद 14 नवंबर को रविवार के दिन बैंक खुले थे। तब पुराने 500 और 1000 के नोट बदलने, जमा करने और कैश निकालने के लिए लोग बैंकों में लाइन में लगे थे। भीड़ संभालने के लिए सरकार ने रविवार को भी बैंक खोलने का फैसला लिया था।

रायपुर : पति ने पत्नी और दो बच्चों को चाकू से काट डाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के डुमरतराई स्थित साहूपारा में ट्रिपल मर्डर का सनसनीखेज मामला सामने आया है। माना

थाना क्षेत्र में एक पति ने कथित तौर पर चरित्र शंका के चलते अपनी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों की चाकू से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने खुद पर चाकू से हमला कर आत्महत्या की कोशिश की, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी को हिरासत में लेकर इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा भेज दिया है।

छत्तीसगढ़ में बाढ़ का कहर

ईरान बोला- बातचीत से ही निकलेगा हल

ट्रम्प ने जंग खत्म करने का प्रस्ताव ठुकराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान का युद्ध खत्म करने और होर्मुज खोलने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान मुश्किल में है, इसलिए वह तुरंत होर्मुज खोलना चाहता है।

ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, क्योंकि वह बुरी तरह हार रहा है और उसके पास पैसा नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि ईरान की कमाई होर्मुज से होने वाले कारोबार पर निर्भर है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने इस समुद्री रास्ते पर सैन्य इतिहास की सबसे बड़ी नाकेबंदी की है, जो लोहे की दीवार जैसी है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को

कहा कि युद्ध का हल सिर्फ बातचीत से निकल सकता है। ईरान ने विदेश मंत्री अब्बास अराघची के जरिए कतर के जरिए अमेरिका को 7 दिन का रोडमैप भेजा था। इसमें लड़ाई रोकने और शर्तें पूरी होने पर होर्मुज खोलने की बात कही गई थी।

यूपी में 65 घंटे से आंधी-बारिश, 57 की मौत, बिहार में 500 घर डूबे

केदारनाथ की यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड, 4000 यात्री फंसे

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। पहाड़ी से लगातार लैंडस्लाइड हो रही है, जिससे मार्ग खोलने में दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते हुए आज केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई और हेली सेवाएं भी बंद हैं।

उधर, यूपी के लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 65 घंटे से बारिश हो रही है। 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आंधी-बारिश की वजह से 2 दिनों में 57 लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार में साइक्लोन अर्नब का असर अब कमजोर पड़ गया है। राज्य में पिछले 72 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। इससे 17 जिलों के करीब 6 हजार गांव टापू बन गए हैं, जबकि करीब 500 घर बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं।

6 हजार शिविरों में शिफ्ट; हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू

जगदलपुर। जगदलपुर शहर और बस्तर जिले के ग्रामीण इलाकों में 300 से अधिक बसाहट बाढ़ से प्रभावित हैं। छह हजार से अधिक आबादी को आज सुबह तक राहत शिविरों में शिफ्ट किया जा चुका है। जगदलपुर शहर से सटे डोंगा घाट में सुबह 7.30 बजे हेलीकॉप्टर भेजा गया है। इंद्रावती नदी में यह क्षेत्र डूबा हुआ है। बाढ़ में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर की मदद ली जा रही है।

नेपाल में फिर बाढ़-लैंडस्लाइड, 6 की मौत

नेपाल में लगातार बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए हैं। अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। बागलुंग जिले में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया। हादसे में एक महिला और उसके तीन बेटों की मौत हो गई। पाल्पा जिले में 2 लोग मारे गए हैं। वहीं, बाढ़ और भूस्खलन से कई घर और पुल बह गए हैं।

मेट्रो एंकर | एशियन गेम्स... इस इवेंट में 2018 के बाद पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला एथलीट

गांव में पगडंडियों पर दौड़ने वाली किसान की बेटी प्राची ने जीता मेडल

नई दिल्ली, एजेंसी

सहारनपुर के एक छोटे से गांव झबीरण की पगडंडियों पर दौड़ने वाली एक साधारण लड़की ने जब पहली बार ओलंपिक का सपना देखा था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि उसकी मेहनत एक दिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराएगी। प्राची चौधरी ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम के दम पर एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर न केवल देश का मान बढ़ाया है, बल्कि अपने गांव और जिले का नाम भी इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया है।

महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में प्राची ने अपनी शानदार दौड़ की बदौलत कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। इस दौड़ को पूरा करने के लिए उन्होंने 53.21 सेकंड का समय लिया और तीसरा स्थान हासिल किया। मुकाबला बेहद कड़ा था, जिसमें बहरीन की सलवा नासिर ने 49.20 सेकंड के नए एशियाई खेल रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, ईरान की ज़हरा ज़ारेई मानूजान ने 52.38 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक जीता।

खेतों के रास्ते बने ट्रेनिंग ग्राउंड

प्रारंभिक शिक्षा उनके गांव के ही प्राथमिक स्कूल से शुरू हुई थी। जब वह कक्षा 6 में पहुंचीं, तो स्कूल में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। यहीं से उनके दौड़ने के सिलसिले की शुरुआत हुई। प्राची ने बचपन में ही एथलीट बनने और ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना आंखों में सजा लिया था। गांव में आधुनिक सुविधाओं और सिंथेटिक ट्रैक का दूर-दूर तक कोई नामोनिशान नहीं था। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और गांव की कच्ची पगडंडियों, खेतों के रास्तों और सड़कों को ही अपना ट्रेनिंग ग्राउंड बना लिया।

सहारनपुर की धरती से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली प्राची पहली महिला एथलीट बन गई हैं। उनकी सफलता के पीछे एक लंबा संघर्ष और परिवार का अटूट विश्वास छिपा है। उनका जन्म सहारनपुर के झबीरण गांव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। पिता खेती-किसानी करके परिवार का जीवनयापन करते हैं और मां एक गृहणी हैं। चार भाई-बहनों के परिवार में प्राची का स्थान तीसरे नंबर पर है। उनके बड़े भाई पिता के साथ खेती में हाथ बंटाते हैं, जबकि बड़ी बहन उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवा दे रही हैं. उनका सबसे छोटा भाई फिलहाल अपनी पढ़ाई पूरी कर रहा है।

सामूहिक तर्पण...

भोपाल। पितृ देवो भव आदि मंत्रोच्चार के बीच श्राद्ध पूर्णिमा से पितरों को जलांजलि देने का सिलसिला शुरू हो गया। हजारों लोगों ने पितरों को जलांजलि दी। तालाबों, घाटों और मंदिरों समेत आठ से अधिक स्थानों पर पंडितों द्वारा तर्पण व श्राद्ध कर्म की व्यवस्था की गई। शीतलदास की बगिया घाट पर सुबह 7.30 से करीब 4 हजार लोगों ने तर्पण किया। 15 दिन तक रोज घाट पर तर्पण कराया जाएगा। गिन्नौरी, कालीघाट, खटलापुरा घाट पर भी तर्पण किए गए।

न्यूज विंडो

उपभोक्ता फोरम ने कॉलेज पर लगाया 11,500 रुपए जुर्माना

भोपाल। जिला उपभोक्ता फोरम भोपाल क्र.एक ने एडमिशन की पात्रता नहीं होने के बावजूद पिपलानी की छात्रा से रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर 3500 रुपए जमा कराने के मामले में एनआरआई कॉलेज पर 11,500 रुपए का जुर्माना लगाया है।

आयोग अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ला व सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडे और डॉ. संजीव सिंह की बेंच ने इसे सेवा में कमी मान कॉलेज को आदेश दिया कि वह 45 दिन में छात्रा को मूल राशि 3500 रुपए के साथ 21 जुलाई 2025 से आदेश तक 9 प्रतिशत ब्याज के साथ रुपए लौटाए।

भाजपा नेता के परिवार पर की गलत टिप्पणी, महिला पर केस

भोपाल। रातीबड़ थाना क्षेत्र में भाजपा नेता के परिवार की बहन-बेटियों को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने एक महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रातीबड़ निवासी भाजपा नेता ने थाने में लिखित शिकायत में कहा कि एक दिन पहले इलाके में रहने वाली अन्नपूर्णा शर्मा नाम की महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया था। आरोप है कि वीडियो में भाजपा नेता के परिवार व रिश्तेदारों की बहन-बेटियों को लेकर आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित की गई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच की। जांच के बाद अन्नपूर्णा शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच की जा रही है।

खाते बदलकर फसल बीमा क्लेम में 3.62 करोड़ का फर्जीवाड़ा

भोपाल। किसानों को फसल खराब होने पर मिलने वाली बीमा राशि में ही बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। एमपी नगर स्थित एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड में काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी राजेश विश्वकर्मा पर किसानों के क्लेम की रकम में 3.62 करोड़ रुपए की हेराफेरी करने का आरोप लगा है। जांच में पता चला कि उसने किसानों के बैंक खातों में भेजी गई क्लेम की रकम अपने रिश्तेदारों-परिचितों के खातों में भेज दी। कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक पाटिल की शिकायत के मुताबिक, गड़बड़ी का पता तब चला जब कई किसानों ने क्लेम स्वीकृत होने के बावजूद राशि खाते में नहीं आने की शिकायत की। एनसीआईपी पोर्टल पर किसानों के बैंक खाते बदलकर 77.04 लाख को 13 दूसरे बैंक खातों में ट्रांसफर किया। फिर कंपनी के पे-प्रो भुगतान सिस्टम में गड़बड़ी कर करीब 2.85 करोड़ रुपए 29 बैंक खातों में भेजे। कुल 32 बैंक खातों में लगभग 3.62 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाने की शिकायत है

क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक ने मुख्यमंत्री को सौंपा जमीन पर काम का शोध आधारित रोडमैप, इनमें कई तरह के दिए सुझाव ताकि शहर में सस्टेनेबल डेवलपमेंट हो

क्रेडाई ने कहा-भोपाल मास्टर प्लान विकास की दिशा में अहम कदम पर नागरिकों की भागीदारी और प्रकृति-सुरक्षा साथ रखने पर हो जोर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बहुप्रतीक्षित भोपाल विकास योजना (मास्टर प्लान) 2047 का ड्राफ्ट शनिवार को जारी हो गया। इसके प्रकाशन पर क्रेडाई भोपाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री निवास पर हुई भेंट के दौरान क्रेडाई की ओर से अध्यक्ष मनोज सिंह मीक ने शोध-आधारित नीति-पत्र 'भोपाल मास्टर प्लानः ड्राफ्ट से जमीन पर काम तक' मुख्यमंत्री को सौंपा। क्रेडाई ने प्रारूप प्रकाशन को राजधानी के नियोजित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना है। संस्था ने योजना को नागरिक सुविधाओं, रोजगार, निवेश और पर्यावरणीय सुरक्षा से जोड़ने वाला बताया है।

मीक ने उठाए सवाल

प्रस्तावित सड़क कब बनेगी जमीन कहां से मिलेगी और बजट कहां से आएगा

योजना भूमि उपयोग के रंग-निमार्ण नियमों तक सीमित न रहे

मीक ने कहा विकास योजना सिर्फ भूमि-उपयोग के रंग-निर्माण के नियमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सवाल रखा गया है कि प्रस्तावित सड़क कब बनेगी, उसके लिए जमीन कैसे उपलब्ध होगी, पानी-सीवर और सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था कौन करेगा, बजट कहां से आएगा, नागरिक को काम की प्रगति कैसे पता चलेगी। पॉलिसी रिसर्च पेपर में भोपाल के पुराने योजना-अभिलेख, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां, प्रदेश के 5 शहरों व अन्य प्रमुख नगरों के नियोजन दस्तावेजों का अध्ययन शामिल है। सरकार के विचारार्थ 10 नीति-विकल्प, प्रारूप की समीक्षा के लिए 15 प्रश्न और विभिन्न शहरों के अध्ययन से विकसित 50 तुलनात्मक सिद्धांत दिए गए हैं।

विभागीय अभिलेखों के लिए 100 दिन ट्रेनिंग देने का सुझाव

मुख्य प्रस्ताव है कि नई योजना के साथ पहले 5 वर्षों का परियोजना-वार बजट, जिम्मेदार संस्था, भूमि प्राप्ति या पुनर्गठन का वैधानिक रास्ता और वार्षिक कार्य-कार्यक्रम स्पष्ट हो। पुरानी सड़कों, आरक्षित भूमि, सेवाओं और विभागीय अभिलेखों के मिलान के लिए 100-दिवसीय प्रशासनिक कार्यक्रम सुझाया गया है। यह नागरिकों की वैधानिक आपत्ति और सुनवाई की अवधि का विकल्प नहीं होगा।

नीति-पत्र में आउटर और इनर रिंग रोड की अलग भूमिकाएं, दक्षिणी औद्योगिक क्षेत्र से विमानतल तक तेज व भरोसेमंद पहुंच, उत्तर में विमानतल-संगत बड़ा कार्गो हब तथा दक्षिण में रेल-राजमार्ग आधारित लॉजिस्टिक्स सुविधाओं की व्यवहार्यता पर जोर है। भौंरी की शिक्षा-नॉलेज एआई सिटी, भेल की संभावित अतिरिक्त भूमि, आवास, कौशल और बिजली-पानी की जरूरतों को भी अलग अधिकार एवं स्वीकृति-प्रक्रियाओं के साथ देखने का सुझाव है।

झीलों, जलग्रहण क्षेत्रों, प्राकृतिक निकास, पहाड़ियों और विरासत की सुरक्षा को विकास की बुनियाद माना गया है। पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं और उपचारोत्तर देखभाल के अवसरों के साथ वरिष्ठ नागरिकों, किरायेदारों, छोटे कारोबारियों, श्रमिकों और कम आय वाले परिवारों की जरूरतों को भी स्थान दिया गया है।

कमर्शियल कोटे में नहीं कराई रजिस्टर्ड, परिवहन विभाग की मियाद पूरी

निजी गाड़ियों को टैक्सी बनाने वालों पर अगले माह से कार्रवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

1 माह की समय सीमा में महज 100 वाहनों के ही कमर्शियल रजिस्ट्रेशन

एग्रीगेटर कंपनियों में चल रहे अवैध निजी दो और चार पहिया वाहनों पर रोक लगाने पिछले महीने ही परिवहन विभाग ने कंपनियों को नोटिस जारी कर उक्त वाहनों को निजी से कमर्शियल कोटे में रजिस्टर्ड करने की सख्त निर्देश दिए। इसके लिए कंपनियों को एक महीने का समय भी दिया है, जो अब लगभग खत्म होने को है। अक्टूबर से टैक्सी के रूप में चलने वाली निजी गाड़ियों पर आरटीओ कार्रवाई करेगा लेकिन इसके बाद भी निजी कंपनियों में अवैध रूप से बाइक और कारों को टैक्सी के रूप में चला रहे वाहन मालिकों की अपने वाहनों को कमर्शियल कोटे में रजिस्टर्ड करने में कम रुचि नजर आ रही है। परिवहन विभाग के निर्देश के बाद भी पिछले 1 महीने में बहुत ही कम संख्या में आवेदन पहुंचे हैं। ऐसे आवेदनों की संख्या 100 से भी कम है। यानी इन वाहनों के मालिक अपने वाहनों को टैक्सी कोटे में रजिस्टर्ड करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जबकि आंकड़ों की बात की जाए तो राजधानी मे हजारों वाहन अवैध रूप से टैक्सी के नाम पर चल रहे हैं। परिवहन अधिकारियों का कहना है कि नोटिस की अवधि निकल जाने के बाद जो भी निजी वाहन टैक्सी के रूप में चलते पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

10 हजार से ज्यादा बाइक टैक्सी शहर में

राजधानी में एग्रीगेटर कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट कर बड़े पैमाने पर दो और चार पहिया निजी वाहन कमर्शियल तौर पर टैक्सी में चलाए जा रहे हैं। ऐसे वाहनों में 10,000 से ज्यादा निजी बाइक के शामिल हैं जिनका उपयोग टैक्सी में होता है। चार पहिया वाहनों की संख्या भी 2-3 हजार के बीच में है जो कि कमर्शियल कोटे में रजिस्टर्ड नहीं है। फूड सप्लाई कंपनियों के वाहन भी जोड़े जाएं तो संख्या भी 10,000 से ऊपर है। करीब 20,000 से ज्यादा कमर्शियल टैक्सी या फूड सप्लाई के लिए चलाई जा रही हैं।

टैक्सी यूनियनों ने उठाई थी मांग

इस मामले को लेकर अगस्त में आंदोलन के दौरान टैक्सी यूनियन ने परिवहन विभाग से कमर्शियल तौर पर उपयोग हो रहे निजी वाहनों पर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद विभाग ने एग्रीगेटर कंपनियों को नोटिस जारी कर ऐसे वाहनों को कमर्शियल कोटे में रजिस्टर्ड करने या उनका संचालन बंद करने को कहा है। परिवहन विभाग ने इस पर कार्रवाई करने का भरोसा दिया था।

अगस्त में ही नोटिस थमा चुका है आरटीओ

निजी वाहनों के टैक्सी के रूप में कमर्शियल उपयोग पर रोक लगाने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय पिछले महीने अगस्त में ही एग्रीगेटर कंपनियों को नोटिस जारी कर चुका है। इसमें ओला, उबर, रैपिडो और अन्य निजी टैक्सी कंपनियों के साथ ही स्विगी और जोमैटो जैसी फूड सप्लाई कंपनी अभी शामिल हैं जिनमें निजी वाहनों का कमर्शियल उपयोग हो रहा है। अफसरों ने साफ किया है कि एक महीने की अवधि के बाद यदि निजी वाहन कमर्शियल रूप से चलते पाए जाएंगे तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी।

आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि हमने कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं और एक महीने का समय दिया है। अब इसकी मियाद पूरी होने जा रही है। इसके बाद अगर कोई निजी वाहन कमर्शियल के तौर पर चलता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ विभाग सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि नियमों के मुताबिक किसी भी निजी वाहन को टैक्सी के रूप में संचालित नहीं किया जा सकता है।

व्यापमं कम्प्यूटर खरीदी घोटाला

कोर्ट के रिकॉर्ड रूम में मूल दस्तावेज खा गई दीमक, अब फोटो कॉपी से चलेगा केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

18 साल पुराने व्यापमं में कम्प्यूटर खरीदी घोटाला मामले के मूल दस्तावेजों को दीमक ने खा लिया है। ये बात ईओडब्ल्यू ने भोपाल कोर्ट में स्वीकार की है। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट को बताया कि सालों से मूल शासकीय दस्तावेज कोर्ट के रिकॉर्ड रूम में रखे हुए थे, जो अब दीमक लगने के कारण पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं। इसके बाद विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह की कोर्ट ने फैसला दिया कि मूल दस्तावेज की फोटोकॉपी को ही द्वितीयक साक्ष्य यानी सेकंड्री एविडेंस के रूप में पेश किया जाए।

ईओडब्ल्यू की ओर से कोर्ट में तर्क दिया गया कि जब चालान पेश किया गया था, तब मूल दस्तावेजों से ही मशीन से फोटोकॉपी कराकर कोर्ट में जमा किया गया था। इसके बाद मूल रिकॉर्ड रिकॉर्ड रूम में रखा गया था। ऐसे में फोटो कॉपी को ही सेकंड्री एविडेंस मान्य किया जाए, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।

14 अक्टूबर को सुनवाई

दूसरी तरफ आरोपी पक्ष ने दीमक द्वारा मूल दस्तावेजों को नष्ट किए जाने का कड़ा विरोध जताया। बचाव पक्ष का तर्क था कि फोटो कॉपी की प्रामाणिकता संदिग्ध है और यह स्पष्ट नहीं है कि दस्तावेज कब और कैसे नष्ट हुए। हालांकि, कोर्ट ने माना कि चालान पेश करते समय ही फोटो कॉपी बचाव पक्ष को दी जा चुकी थीं और ये मूल से ही तैयार की गई थीं। ऐसे में फोटोकॉपी को साक्ष्य में शामिल कर लिया। अब 14 अक्टूबर 2026 को सुनवाई होगी।

18 साल में 16 में से 5 आरोपियों की हो चुकी है मौत

2008 से लंबित इस केस में 18 साल बीत चुके हैं। इस दौरान आरोपी अरुण गुप्ता, पी प्रकाश राव, अरुण कुमार कालिया, रमेश दुबे और तुलसीदास अग्रवाल की मौत हो चुकी है। अब कोर्ट में वीसी दुबे, आशीष साहू, डॉ. एके श्रीवास्तव, योगेशचंद्र उपरीत, यूएस विजयवर्गीय, अशोक मिश्रा, ओपी सोनी, ओपी टिकारिया, अजय सेन, नितिन महिंद्रा और जावेद अख्तर पर केस चलेगा। 1 आरोपी राधा फरार है।

ये है मामला

2008 में व्यापमं द्वारा की गई 78 कम्प्यूटरों की खरीदी में घोटाला सामने आया था। ईओडब्ल्यू की जांच में पाया गया था कि आरोपियों ने बाजार मूल्य से दोगुने रेट पर कम्प्यूटर खरीदे थे। टेंडर नियम तोड़कर फर्म को फायदा पहुंचाया।सरकार को 43 लाख रुपए का नुकसान हुआ

एक माह की गर्भवती थी महिला, पुलिस ने दर्ज किया मामला

अगरबती केरोसिन की कुप्पी पर गिरी, झुलसने से नवविवाहिता की मौत, परिजन बोले-हत्या की गई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट नगर कोकता में संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसने से नवविवाहिता की मौत हो गई। मृतका एक माह की गर्भवती थी। पुलिस के मुताबिक, ट्रांसपोर्ट नगर कोकता निवासी अशोक अहिरवार ने दो साल पहले पूजा अहिरवार (26) से प्रेम विवाह किया था। पूजा के परिजनों का कहना है कि उसकी ससुराल वाले उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। पति भी शराब के नशे में पूजा के साथ मारपीट करता था। बताते हैं, पूजा रात में सो रही थी। तभी जलती अगरबत्ती केरोसिन की कुप्पी पर गिरी और आग भड़क उठी। बिस्तर में आग लगने से पूजा गंभीर रूप से झुलस गई थी। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उसकी मौत हो गई। बेहोशी के चलते मृतका के बयान नहीं हो सके। पूजा के भाई रवि का कहना है कि उसकी बहन को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। केरोसिन डालकर उसे जलाया गया है। दूसरी ओर थाना प्रभारी नरेंद्र कुलस्ते का कहना है कि मर्ग कायम कर हर एंगल से जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इधर, पति-पत्नी के झगड़े में बोलना पड़ा भारी, चाकू से हमला

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र की रतन कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े में दखल देना पड़ोसी दंपति को भारी पड़ गया। पत्नी से झगड़ा कर रहे पति ने कटर से पड़ोसी दंपति पर हमला कर दिया। महिला के पेट में गंभीर चोट लगी है वहीं पति जख्मी हो गया। रतन कॉलोनी करोंद के सौरभ सिलावट इलेक्ट्रीशियन है। पत्नी से विवाद के चलते पति-पत्नी मोहल्ले में अलग अलग रह रहे हैं। सौरभ का पत्नी से झगड़ा हो रहा था। तभी पड़ोसी रामबाबू सिलावट और पत्नी कीर्ति पहुंच गए। इससे बात से नाराज सौरभ ने रामबाबू पर कटर से हमला कर दिया। कीर्ति के पेट में गहरा घाव लगा। पुलिस ने सौरभ को जेल भेजा है।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी का कारनामा

आंसरशीट में पास स्टूडेंट्स को एजेंसी ने कर दिया फेल

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) का रिजल्ट तैयार करने वाली गुजरात की इन्फिनिटी एजेंसी का बड़ा कारनामा सामने आया है। प्रोफेसरों द्वारा जांची गई उत्तरपुस्तिकाओं में जिन स्टूडेंट्स को प्रथम और द्वितीय श्रेणी में पास किया गया, उसे एजेंसी ने फेल कर दिया। करीब 3500 स्टूडेंट्स ने कॉपियां निकलवाई हैं। इनमें से अधिकांश स्टूडेंट्स में पास होने लायक अंक दर्ज हैं पर रिजल्ट में वे फेल हैं। स्टूडेंट्स ने कॉपियां निकालवाई तो खुलासा हुआ। एजेंसी मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा दिए गए अंकों को अंकसूची में दर्ज नहीं किया है। इस संबंध में असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुनील नायक और रजिस्ट्रार प्रो. समर सिंह के पास रिजल्ट में हुई गड़बड़ी की करीब 3500 शिकायतें पहुंच चुकी हैं। बीयू ने यूजी और पीजी में करीब एक लाख विद्यार्थियों की परीक्षाएं कराई हैं। इनमें से करीब 50 हजार विद्यार्थियों के रिजल्ट जारी किए हैं। बताते हैं, एजेंसी के पास रिजल्ट तैयार करने के लिए टेक्निकल टीम नहीं है। इसलिए रिजल्ट तैयार करने में गड़बड़ी हो रही है।

मेट्रो एंकर लघुकथा शोध केंद्र समिति के 10वें स्थापना दिवस पर बोले साहित्य अकादमी के निदेशक, 'इंसान' संग्रह का लोकार्पण

डॉ. दवे बोले- लघुकथा छोटी जरूर, लेकिन प्रभाव व्यापक होना चाहिए, इसे बोन्साई नहीं इत्र बनाएं ताकि खुशबू दूर तक पहुंचे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लघुकथा छोटी जरूर है, लेकिन उसका प्रभाव व्यापक होना चाहिए। उसे आकार में छोटा करने के लिए सायास प्रयास नहीं, बल्कि स्वाभाविक सृजन जरूरी है। लघुकथा को बोन्साई नहीं, इत्र बनाएं, ताकि कम शब्दों में उसकी खुशबू दूर तक पहुंचे। यह बात साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कही। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल के 10वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समिति ने कम समय में लंबी यात्रा तय कर देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। केंद्र से जुड़े साहित्यकार जिस तरह एक टोली के रूप में मिलकर काम कर रहे हैं, वह अन्य संस्थाओं के लिए भी अनुकरणीय है। उन्होंने समिति से जुड़े सभी साहित्यकारों को स्थापना दिवस की बधाई दी।

समारोह की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इसके बाद केंद्र की ओर से अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। महासचिव घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने कार्यक्रम का संचालन किया। केंद्र निदेशक कांता रॉय ने समिति की 10 साल की साहित्यिक यात्रा और योजनाएं बताईं।

समिति की आगे की योजनाओं पर भी चर्चा

समिति की 10 साल की यात्रा को किया याद

कार्यक्रम में साहित्यकार ब्रजेश नेमा के लघुकथा संग्रह 'इंसान' का लोकार्पण किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मालती बसंत ने समिति की स्थापना के समय से अपने जुड़ाव को याद किया। वरिष्ठ साहित्यकार कांति शुक्ला ने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए पदाधिकारियों से एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र शर्मा 'अक्षर' ने कहा कि लघुकथा वर्तमान समय की लोकप्रिय विधा है। इसके उन्नयन और प्रचार-प्रसार में केंद्र का योगदान महत्वपूर्ण है। इसे लगातार आगे बढ़ाने के प्रयास करते रहेंगे। समारोह में डॉ. गिरजेश सक्सेना, अशोक कुमार धमनियां, विनोद कुमार जैन, मनमोहन चौरे, मधुलिका सक्सेना, शेफालिका श्रीवास्तव, वंदना जोशी, सरिता बघेला, डॉ. शबनम सुल्ताना सहित अनेक साहित्यकार मौजूद रहे। अंत में केंद्र की ओर से सभी अतिथियों और उपस्थित साहित्यकारों का आभार जताया।

अप्रैल-मई तक नियुक्ति का टारगेट

मध्यप्रदेश पुलिस में 18,834 पदों पर भर्ती की तैयारी तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर भर्ती प्रक्रिया को गति देने की तैयारी शुरू हो गई है। आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक और सूबेदार तक के कुल 18,834 रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया दो चरणों में आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने चयन प्रक्रिया को अप्रैल-मई तक पूरा कर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का लक्ष्य रखा है। इस भर्ती अभियान में वर्ष 2025 और वर्ष 2026 की रिक्तियां शामिल हैं। वर्ष 2025 की भर्ती के तहत 8,500 पद, जबकि वर्ष 2026 की भर्ती के तहत 10,334 पद भरे जाएंगे। पुलिस विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में शुरू हुई भर्ती प्रक्रिया का अंतिम परिणाम वर्ष 2026 के अंत तक घोषित किए जाने की योजना है।

लिखित परीक्षा के परिणाम का इंतजार

पुलिस भर्ती शाखा फिलहाल मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की ओर से आयोजित लिखित परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चयन एवं भर्ती शाहिद अबसार के अनुसार, लिखित परीक्षा का परिणाम मिलते ही सफल अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी। योजना के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा फरवरी में आयोजित की जानी है। इसके बाद प्राप्त अंकों और निर्धारित मापदंडों के आधार पर चयन सूची तैयार की जाएगी।

उज्जैन में दिखा जोश

'पंख मैराथन' से दौड़ा नया मध्यप्रदेश

उज्जैन की पावन धरती पर रविवार को ऊर्जा, उत्साह और उमंग का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'पंख मैराथन' का शुभारंभ कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। हजारों कदमों ने फिटनेस, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया। यह मैराथन केवल दौड़ नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त समाज की ओर बढ़ता एक प्रेरणादायी कदम है। युवाओं की जोशभरी भागीदारी ने आयोजन को और भी खास बना दिया। उज्जैन की सड़कों पर गूंजता उत्साह, अनुशासन और संकल्प प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश कर रहा है। आइए, हम सब स्वस्थ रहें, सक्रिय रहें और मध्यप्रदेश को नई ऊर्जा दें।

हिंदू इकोनॉमिक फोरम के इंदौर अध्याय की शुरुआत, मुख्यमंत्री बोले

औद्योगिक विकास से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 1.67 लाख हुई

उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश में बिजली, जमीन और पानी की पर्याप्त उपलब्धता

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाओं और संसाधनों की उपलब्धता के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश में पर्याप्त बिजली, भूमि और पानी उपलब्ध है। सरकार उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने के साथ नए क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। धार्मिक पर्यटन और चिकित्सा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी विकास की व्यापक संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री इंदौर के होटल शेरेटन में हिंदू इकोनॉमिक फोरम के इंदौर अध्याय के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'अर्थ अभ्युदय' विषय पर मुख्य संबोधन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता है और अतिरिक्त बिजली भी मौजूद है। उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पर्याप्त भूमि बैंक तैयार किया गया है। साथ ही सौर ऊर्जा और जल आधारित ऊर्जा के स्रोतों को मजबूत करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के नए क्षेत्रों पर लगातार काम किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर औद्योगिक विकास को गति दी जाए। उन्होंने कहा कि उद्योगों के विकास से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

आर्थिक विकास के लिए निरंतर प्रयास जरूरी

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2002-03 में मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय लगभग 11 हजार रुपये थी। वर्ष 2022 तक यह बढ़कर 1 लाख 40 हजार रुपये और वर्ष 2026 में 1 लाख 67 हजार रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति को गति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के विस्तार से आर्थिक विकास के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। उद्यमियों की भूमिका देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण है।

भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत : मुख्य आर्थिक सलाहकार

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन ने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में देश की विकास दर 7.8 प्रतिशत है और आने वाले वर्षों में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशों के साथ व्यापार लगातार बढ़ रहा है। इससे देश की आर्थिक गतिविधियों को गति मिल रही है। कार्यक्रम में हिंदू इकोनॉमिक फोरम के प्रमुख विज्ञानानन्द ने भी संबोधित किया। उन्होंने आर्थिक विकास और उद्यमिता से जुड़े विषयों पर विचार रखे।

मुंबई में दिसंबर में होगा विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन

कार्यक्रम में बताया गया कि विश्व हिंदू कांग्रेस के अब तक तीन आयोजन हो चुके हैं। पहला आयोजन वर्ष 2014 में नई दिल्ली, दूसरा वर्ष 2018 में अमेरिका के शिकागो और तीसरा वर्ष 2023 में थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में हुआ था। विश्व हिंदू कांग्रेस का चौथा आयोजन 18 से 20 दिसंबर 2026 तक मुंबई में प्रस्तावित है। कार्यक्रम के दौरान विश्व हिंदू कांग्रेस के पिछले आयोजनों पर आधारित वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

उद्यमियों और जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक गोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा, संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार, पुलिस आयुक्त संतोष सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य सहित बड़ी संख्या में उद्यमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भोपाल मास्टर प्लान पर सियासत तेज

कांग्रेस ने उठाए सवाल, भाजपा ने बताया विकास का रोडमैप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल विकास योजना-2047 के ड्राफ्ट के सामने आने के बाद अब इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने जहां मास्टर प्लान को लेकर कई सवाल उठाते हुए विस्तृत समीक्षा और आपत्तियां दर्ज कराने की बात कही है, वहीं भाजपा ने इसे व्यापक समीक्षा के बाद तैयार किया गया विकास का खाका बताया है। दोनों दलों की ओर से ड्राफ्ट के अलग-अलग पहलुओं को लेकर अपनी-अपनी बातें सामने रखी गई हैं।

कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि पार्टी पहले मास्टर प्लान के पूरे ड्राफ्ट का अध्ययन करेगी। इसके बाद उसमें जो भी आवश्यक आपत्तियां होंगी, उन्हें नियमानुसार दर्ज कराया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि करीब 31 साल से भोपाल के लिए नया मास्टर प्लान नहीं आया था, ऐसे में अब 2047 तक की योजना बनाने से पहले मौजूदा जरूरतों और समस्याओं पर भी स्पष्ट रोडमैप होना चाहिए। कांग्रेस ने योजना में शामिल किए जा रहे गांवों और किसानों की जमीन को लेकर भी सवाल उठाया है। पार्टी का कहना है कि करीब 100 गांवों को योजना में शामिल करने की बात है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि संबंधित किसानों की जमीन पर क्या प्रभाव पड़ेगा और उनके हितों की सुरक्षा किस तरह की जाएगी। कांग्रेस ने उन व्यावसायिक केंद्रों को लेकर भी सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है, जिन्हें सीलिंग के नोटिस दिए गए हैं। पार्टी ने सवाल उठाया कि नए मास्टर प्लान में इन क्षेत्रों के लिए क्या प्रावधान किए गए हैं और भविष्य में उनकी स्थिति क्या होगी।

भाजपा ने बताया व्यापक समीक्षा के बाद तैयार ड्राफ्ट

वहीं भाजपा ने मास्टर प्लान के ड्राफ्ट का बचाव करते हुए कहा कि इसे अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर पूरी समीक्षा के बाद जारी किया गया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया ने कहा कि योजना तैयार करते समय भोपाल की प्राकृतिक संपदा और पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को भी ध्यान में रखा गया है। भाजपा के मुताबिक भोपाल के व्यापारियों और रहवासियों से मिले सुझावों को भी ड्राफ्ट तैयार करते समय शामिल किया गया है।

जनता और विशेषज्ञों से मांगे जाएंगे सुझाव

भाजपा ने कहा कि अब ड्राफ्ट पर विशेषज्ञों और आम जनता की राय सामने आएगी। लोगों को योजना का अध्ययन कर अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज करानी चाहिए, ताकि अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में विभिन्न पक्षों को शामिल किया जा सके। इस बीच भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ है।

भोपाल विज्ञान मेले में बोले पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह

पुरस्कार के लिए नहीं, समाज की समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार करें विद्यार्थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य समाज की समस्याओं का समाधान करना और मानव जीवन को बेहतर बनाना है। विद्यार्थियों को केवल पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए नवाचार नहीं करना चाहिए, बल्कि वर्तमान चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान खोजने की दिशा में काम करना चाहिए। ऐसे प्रयासों से ही भविष्य के डॉक्टर, वैज्ञानिक और राष्ट्र निर्माता तैयार होंगे।

ज्ञान-विज्ञान भवन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आयोजित 'भोपाल विज्ञान मेले' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि मेले में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल केवल प्रदर्शन या पुरस्कार तक सीमित नहीं हैं। इनमें समाज की वर्तमान समस्याओं का समाधान करने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। विद्यार्थियों के ऐसे नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण पहल है।

अंडरग्राउंड होगा बिजली नेटवर्क

भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश के 5 बड़े शहरों में खत्म होगा खंभों और तारों का जाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के प्रमुख महानगरों में अब बिजली के झूलते तारों और खंभों से मुक्ति मिलने जा रही है। केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के निर्देशों के तहत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में पूरे बिजली वितरण तंत्र को अंडरग्राउंड करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अगले 90 दिनों के भीतर इस प्रोजेक्ट की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली जाएगी।

इस योजना के अंतर्गत शहरों में फैली 11 केवी तथा 400 वोल्ट क्षमता की ओवरहेड लाइनों को पूरी तरह अंडरग्राउंड केबल में तब्दील किया जाएगा। इससे न केवल शहरों का सौंदर्य निखरेगा, बल्कि खराब मौसम या आंधी-तूफान के दौरान पेड़ गिरने से होने वाले बिजली ब्रेकडाउन और तारों के टूटने की समस्याओं पर भी पूर्ण विराम लगेगा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के अनुसार, इस आधुनिक बदलाव से आम जनता को निर्बाध, सुरक्षित और टिकाऊ पावर सप्लाई मिल सकेगी। नए अंडरग्राउंड नेटवर्क का सबसे मुख्य आकर्षण रिंगमेन यूनिट तकनीक है। इसके जरिए बिजली आपूर्ति के लिए एक से अधिक वैकल्पिक रास्ते उपलब्ध रहेंगे।

जीआईएस मैपिंग और डिजिटल एसेट टैगिंग से तुरंत मिलेगा फॉल्ट

पूरे पावर नेटवर्क की GIS मैपिंग की जाएगी, जिससे हर ट्रांसफार्मर, केबल और उपकरण का डिजिटल डाटा तैयार होगा। खराबी आने पर कंट्रोल रूम को सटीक लोकेशन का तुरंत पता चल जाएगा, जिससे सुधार कार्य तेजी से हो सकेगा। भविष्य में नए बिजली कनेक्शन देने और ग्रिड की क्षमता बढ़ाने में यह डिजिटल रिकॉर्ड बेहद कारगर साबित होगा।

हमारा मकसद केवल सड़कों से बिजली के तार हटाना नहीं है। हम ऐसा ढांचा तैयार कर रहे हैं जो कम फॉल्ट, त्वरित बिजली बहाली, बेहतर सुरक्षा और आसान रखरखाव के 4 मुख्य स्तंभों पर आधारित हो।
– विशेष गढ़पाले, सचिव, ऊर्जा विभाग।

शिवपुरी में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 113 करोड़ की स्कीम

'फेल हो गई सीवर योजना' सिंधिया का बड़ा कबूलनामा!

शिवपुरी, दोपहर मेट्रो

शिवपुरी शहर को सीवर की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए शुरू की गई 113 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी सीवर परियोजना पूरी तरह भ्रष्टाचार की दीमक चढ़ गई है। दिशा की समीक्षा बैठक में शामिल होने शिवपुरी पहुंचे केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया के सामने खुद इस बात को स्वीकार किया कि यह योजना करप्शन की भेंट चढ़ गई और पूरी तरह फेल साबित हुई है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए सिंधिया ने दर्द बयां किया और कहा कि उनके दादा के ज़माने में बिछाई गई 15 किलोमीटर की सीवर लाइन में से 7 किलोमीटर आज भी सुचारू रूप से चालू है। वहीं दूसरी

ओर, 113 करोड़ रुपये पानी की तरह बहाने के बाद भी नई सीवर लाइन चालू नहीं हो सकी। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में इस प्रोजेक्ट को खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया ही शिवपुरी लेकर आए थे। प्रोजेक्ट के शुरू होने से लेकर अब तक प्रदेश में भाजपा की सरकार रही है और समय-समय पर विधायकों से लेकर खुद सिंधिया इस परियोजना की समीक्षा करते रहे हैं। इसके बावजूद यह करोड़ों का प्रोजेक्ट अफसरों और ठेकेदारों की साठगांठ की भेंट चढ़ गया।

मेट्रो एंकर

अहिल्याबाई की विरासत को एक छतरी के नीचे लाने की तैयारी

महेश्वर में अहिल्या लोक से बदलेगी तस्वीर, खुलेंगे रोजगार के द्वार

सिंहस्थ 2028 से पूर्व पर्यटन को नई उड़ान मिलने की उम्मीद

आधुनिक तकनीक से जीवंत होगा इतिहास

महेश्वर, दोपहर मेट्रो

नर्मदा तट पर बसा यह नगर केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि जीवंत इतिहास है। जहां घाटों पर आस्था बहती है, किले की दीवारों में अहिल्याबाई होलकर का युग बोलता है और करघों पर चलती महेश्वरी साड़ी सदियों पुरानी परंपरा को जीवित रखती है। अब इसी विरासत को आधुनिक पर्यटन से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। अहिल्या लोक परियोजना नगर के पर्यटन भविष्य का नया अध्याय बनने जा रही है, जो इतिहास दर्शाने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और कारोबार के नए अवसर खोलेगी।

उज्जैन-ओंकारेश्वर-महेश्वर-मांडू से बनेगा बड़ा पर्यटन परिपथ

प्रदेश में उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर व मांडू को जोड़ने वाली पर्यटन कड़ी विशेष महत्व रखती है। महाकाल व सिंहस्थ, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, नर्मदा किनारे महेश्वर और मांडू की ऐतिहासिक विरासत पर्यटकों के लिए विविध अनुभवों वाला मार्ग बनेगी। नर्मदा एक्सप्रेसवे जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाओं से क्षेत्र की पहुँच सुगम होने की उम्मीद है। सहस्त्रधारा प्रकृति व नर्मदा के अद्भुत मेल का क्षेत्र है, जिसे मुख्य पर्यटन मार्ग से प्रभावी रूप से जोड़ने की आवश्यकता है। इसी प्रकार नर्मदा के मध्य स्थित बाणेश्वर महादेव मंदिर में सुरक्षित पहुंच, स्वच्छता व प्रकाश व्यवस्था विकसित करने से पर्यटकों को नया अनुभव मिलेगा। नगर के पर्यटन की आत्मा नर्मदा है। अतः नर्मदा स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण प्राथमिक शर्त है। प्रदूषण रहित व ध्वनि रहित इंजन वाली नावों के संचालन से नर्मदा की शांति व प्राकृतिक वातावरण सुरक्षित रहेगा। आगामी सिंहस्थ महाकुंभ को देखते हुए यह अति महत्वपूर्ण परियोजना है।

तकनीक से जान सकेंगे। परियोजना की रूपरेखा में आर्टिफैक्ट गैलरी, वीआर पाड गैलरी, युद्ध दृश्य गैलरी, ग्रामीण जीवन के डायोरामा, बुनाई सेटअप, महिला गैलरी व दुर्गा दल वाहिनी गैलरी प्रस्तावित हैं। प्रथम तल पर राजवाड़ा गैलरी, सेवन डी इमर्सिव गैलरी, संस्कृति कल्पवृक्ष, खासगी का धन गैलरी व 180 सीट का सभागार प्रस्तावित है। नगर की पहचान महेश्वरी साड़ी के बिना अधूरी है। अहिल्या लोक योजना में बुनाई सेटअप व स्मारिका दुकानों का प्रविधान इस पारंपरिक कला को पर्यटन बाजार से जोड़ेगा। समीपस्थ ग्राम केरियाखेड़ी में पांच करोड़ 11 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से प्रस्तावित टेक्सटाइल टूरिज्म विलेज इस कड़ी को और मजबूत करेगा।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 27 सितंबर 2026

फिटनेस फंडा

विशेषज्ञ कार्डियो के साथ स्ट्रेंथ या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग को भी फिटनेस रूटीन का जरूरी हिस्सा मानते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी वयस्कों के लिए सप्ताह में 150 से 300 मिनट की मध्यम तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि के साथ कम से कम दो दिन सभी प्रमुख मांसपेशियों को मजबूत करने वाली गतिविधियों की सलाह देता है।

सिर्फ कार्डियो नहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी जरूरी

फिटनेस की बात आते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में तेज चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना या ट्रेडमिल पर पसीना बहाना आता है। कार्डियो एक्सरसाइज निश्चित रूप से शरीर और दिल की सेहत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन फिटनेस की पूरी तस्वीर सिर्फ इतनी नहीं है। शरीर को मजबूत रखने के लिए मांसपेशियों पर भी काम करना जरूरी है। यही वजह है कि विशेषज्ञ कार्डियो के साथ स्ट्रेंथ या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग को भी फिटनेस रूटीन का जरूरी हिस्सा मानते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी वयस्कों के लिए सप्ताह में 150 से 300 मिनट की मध्यम तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि के साथ कम से कम दो दिन सभी प्रमुख मांसपेशियों को मजबूत करने वाली गतिविधियों की सलाह देता है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का मतलब केवल जिम में भारी वजन उठाना नहीं है। इसमें डंबल और बारबेल के साथ-साथ रेजिस्टेंस बैंड, मशीन, बॉडी-वेट एक्सरसाइज जैसे स्क्वाट, पुश-अप और लंज भी शामिल हो सकते हैं। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन की 2026 की नई गाइडलाइन में 137 व्यवस्थित समीक्षाओं और 30 हजार से अधिक प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मांसपेशियों की ताकत, आकार, पावर, सहनशक्ति, संतुलन और रोजमर्रा की शारीरिक क्षमता में सुधार पाया गया।

दिल और शरीर दोनों को मिले ताकत

फिटनेस एक्सपर्ट और व्यायाम विज्ञान विशेषज्ञों के अनुसार कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक-दूसरे के विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। कार्डियो से हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर होती है, जबकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग मांसपेशियों की ताकत और कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करती है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के विशेषज्ञों के मुताबिक रेजिस्टेंस एक्सरसाइज मांसपेशियों, हड्डियों और कनेक्टिव टिश्यू को मजबूत करने के साथ ब्लड ग्लूकोज नियंत्रण और शारीरिक कार्यक्षमता में भी मदद कर सकती है। फिटनेस विशेषज्ञों की सलाह है कि केवल वजन कम करने के लक्ष्य से व्यायाम करने के बजाय शरीर को मजबूत बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए। वजन मशीन पर संख्या कम होना और शरीर का वास्तव में मजबूत होना दो अलग बातें हैं। नियमित स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय रखती है और रोजमर्रा के कामों को आसान बनाने में मदद करती है।

उम्र बढ़ने पर बढ़ती इसकी जरूरत

उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की मात्रा और ताकत में स्वाभाविक कमी आने लगती है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार मांसपेशियों में कमी वयस्क उम्र में शुरू हो सकती है और 65 से 70 वर्ष के बाद इसकी गति बढ़ सकती है। यही कारण है कि उम्र बढ़ने के साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग केवल बॉडी बनाने का तरीका नहीं, बल्कि रोजमर्रा की शारीरिक क्षमता बनाए रखने का माध्यम बन जाती है। फिटनेस एक्सपर्ट बताते हैं कि मजबूत पैर होने का मतलब केवल बेहतर मसल्स नहीं है। इसका सीधा संबंध सीढ़ियां चढ़ने, कुर्सी से आसानी से उठने, सामान उठाने और संतुलन बनाए रखने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों से है। नियमित रेजिस्टेंस ट्रेनिंग उम्र के साथ होने वाली मांसपेशियों की कमजोरी को कम करने में मदद कर सकती है।

वजन के लिए भी सिर्फ कार्डियो पर निर्भर न रहें: कई लोग वजन कम करने के लिए सिर्फ दौड़ने या ट्रेडमिल पर समय बिताने लगते हैं। कार्डियो कैलोरी खर्च करने और कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस सुधारने में मदद करता है, लेकिन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए रेजिस्टेंस ट्रेनिंग भी जरूरी है। मेयो क्लिनिक के अनुसार स्ट्रेंथ ट्रेनिंग मांसपेशियों को बनाए रखने, शरीर की संरचना बेहतर करने और वजन प्रबंधन में मदद कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वजन घटाने के दौरान मांसपेशियों को बचाए रखना महत्वपूर्ण है। इसलिए रूटीन में कार्डियो के साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और संतुलित खानपान का संयोजन अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है।

सप्ताह में दो दिन से करें शुरुआत

WHO वयस्कों को सप्ताह में कम से कम दो दिन सभी प्रमुख मांसपेशी समूहों को शामिल करने वाली मसल-स्ट्रेंथनिंग गतिविधियों की सलाह देता है। फिटनेस एक्सपर्ट बताते हैं कि शुरुआत करने वाले व्यक्ति के लिए सप्ताह में दो दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर्याप्त शुरुआती लक्ष्य हो सकता है। बाकी दिनों में तेज चाल से चलना, साइकिल, तैराकी या अन्य एरोबिक गतिविधियां शामिल की जा सकती हैं। संपूर्ण फिटनेस के लिए कार्डियो, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, संतुलन, लचीलापन और पर्याप्त रिकवरी- सभी की अपनी भूमिका है। कार्डियो शरीर की एरोबिक क्षमता को बेहतर करता है, जबकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शरीर को रोजमर्रा के कामों के लिए मजबूत और सक्षम बनाने में मदद करती है। इसलिए फिटनेस रूटीन में केवल पसीना बहाने पर ध्यान देने के बजाय शरीर को मजबूत बनाने का लक्ष्य भी शामिल करें। विशेषज्ञों की सलाह साफ है कि फिटनेस सिर्फ तेजी से चलने या दौड़ने का नाम नहीं; मजबूत शरीर भी उतना ही जरूरी है।

भारी वजन उठाना जरूरी नहीं

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का नाम सुनते ही बहुत से लोग भारी डंबल और कठिन जिम एक्सरसाइज की कल्पना करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा जरूरी नहीं है। शुरुआत बॉडी-वेट एक्सरसाइज, हल्के डंबल या रेजिस्टेंस बैंड से की जा सकती है। ACSM की 2026 गाइडलाइन भी बताती है कि बॉडी-वेट और घर पर किए जाने वाले रेजिस्टेंस वर्कआउट प्रभावी हो सकते हैं; हर व्यक्ति को महंगी मशीनों या जटिल ट्रेनिंग प्रोग्राम की जरूरत नहीं होती। शुरुआत में सही तकनीक सीखना वजन बढ़ाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। एक्सरसाइज का तरीका गलत होने पर चोट का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए नए व्यक्ति को पहले नियंत्रित गति और सही फॉर्म पर ध्यान देना चाहिए, फिर धीरे-धीरे कठिनाई बढ़ानी चाहिए।

जीवन ज्योति

मन शांत हो तो मुश्किल रास्ते भी आसान लगते हैं

सिस्टर बीके शिवानी
आध्यात्मिक गुरु

जीवन में परिस्थितियां हमेशा हमारी इच्छा के अनुसार नहीं होतीं। कभी किसी अपने का व्यवहार मन को दुखी करता है, कभी काम में असफलता निराश करती है और कभी भविष्य की चिंता वर्तमान की खुशी छीन लेती है। ऐसे समय में समस्या से ज्यादा जरूरी यह समझना होता है कि उसके प्रति हमारी प्रतिक्रिया कैसी है। आध्यात्मिक वक्ता बीके शिवानी के विचारों में बार-बार यह बात सामने आती है कि बाहरी परिस्थितियों को पूरी तरह नियंत्रित करना हमारे हाथ में नहीं, लेकिन अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को दिशा देना हमारे हाथ में है। मन को परिस्थितियों का गुलाम बनाने के बजाय अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानना चाहिए। हम अक्सर अपनी खुशी को दूसरे व्यक्ति के व्यवहार, सफलता, धन या किसी खास परिस्थिति से जोड़ देते हैं। जब चीजें मन के मुताबिक होती हैं तो खुश रहते हैं और विपरीत स्थिति आते ही मन अशांत हो जाता है। जीवन को सहज बनाने के लिए इस निर्भरता को कम करना जरूरी है।

दूसरों को बदलने से पहले खुद को समझें: किसी व्यक्ति का व्यवहार हमें पसंद नहीं आता तो हमारी पहली इच्छा होती है कि वह बदल जाए। लेकिन हर व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदलना संभव नहीं। किसी के कठोर शब्दों का जवाब उसी कठोरता से देने पर समस्या बढ़ती है, जबकि शांत प्रतिक्रिया कई बार स्थिति को संभाल सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि गलत व्यवहार को स्वीकार कर लिया जाए। बल्कि अपनी सीमाएं स्पष्ट रखते हुए भी मन में लगातार क्रोध और नफरत को जगह न देना अधिक उपयोगी है। दूसरे के व्यवहार का नियंत्रण हमारे पास नहीं, लेकिन उस व्यवहार को अपने मन पर कितनी देर तक हावी रहने देना है, यह काफी हद तक हमारे हाथ में है।

हम शरीर को स्वस्थ रखने के लिए भोजन पर ध्यान देते हैं, लेकिन मन को क्या दे रहे हैं, इस पर अक्सर विचार नहीं करते। दिनभर नकारात्मक खबरें, विवाद, तुलना और चिंता से भरे विचार मन को थका सकते हैं। इसलिए मन की स्वच्छता भी उतनी ही जरूरी है जितनी शरीर की। हर दिन कुछ समय शांत बैठकर अपने विचारों को देखना एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। खुद से पूछें कि आज मन में सबसे ज्यादा कौन-सा विचार चल रहा है? क्या वह समस्या का समाधान कर रहा है या केवल चिंता बढ़ा रहा है? विचारों को पहचानने की आदत धीरे-धीरे भावनाओं को समझने में मदद करती है।

अपनी खुशी की चाबी दूसरों को न दें

कई बार हम कहते हैं- 'वह ऐसा करेगा तो मैं खुश रहूंगा', 'बच्चे मेरी बात मानेंगे तो मन अच्छा होगा' या 'काम में सफलता मिलेगी तभी संतोष मिलेगा।' इस तरह हमारी खुशी की चाबी दूसरों और परिस्थितियों के हाथ में चली जाती है। आंतरिक खुशी का अर्थ समस्याओं से मुक्त जीवन नहीं है। इसका अर्थ है कि परिस्थितियां कठिन होने पर भी मन पूरी तरह टूटे नहीं। अपनी अपेक्षाओं को संतुलित करना, दूसरों की सीमाओं को समझना और अपनी भावनाओं की जिम्मेदारी लेना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

रिश्तों में प्यार के साथ सम्मान

रिश्ते केवल अधिकार से नहीं चलते। परिवार में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी बात सुनी जाए और उसकी भावनाओं को महत्व मिले। इसलिए बातचीत में शब्दों से ज्यादा भाव महत्वपूर्ण होते हैं। गुस्से में कही गई एक बात लंबे समय तक रिश्ते में दूरी पैदा कर सकती है। किसी अपने से असहमति हो तो व्यक्ति को गलत साबित करने के बजाय समस्या पर बात करना बेहतर है। रिश्ते में सम्मान बना रहे तो मतभेद भी रिश्ते को कमजोर नहीं करते। जीवन बदलने के लिए हमेशा बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं। सुबह कुछ मिनट शांत रहना, दिन की शुरुआत सकारात्मक विचार से करना, अनावश्यक प्रतिक्रिया से बचना, किसी की मदद करना और रात को दिनभर के व्यवहार पर विचार करना मन को व्यवस्थित कर सकता है।

नॉलेज स्टोरी

63 डिग्री में जिंदा 'फायर अमीबा', गर्मी सहने का एक नया रिकॉर्ड

वैज्ञानिकों ने ऐसी जगह से एक बेहद अनोखा जीव खोजा है, जहां आम इंसान कुछ देर भी आराम से नहीं रह सकता। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित लासेन वोल्केनिक नेशनल पार्क के गर्म पानी के प्राकृतिक झरनों में मिला यह एक कोशिकीय जीव इतनी गर्मी सह सकता है कि वैज्ञानिक भी इसकी क्षमता देखकर हैरान हैं। नए जीव को Incendiamoeba cascadensis नाम दिया गया है और इसकी असाधारण गर्मी सहने की क्षमता के कारण इसे अनौपचारिक तौर पर 'फायर अमीबा' कहा जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह जीव करीब 63 डिग्री सेल्सियस तापमान पर भी कोशिका विभाजन यानी अपने जैसे नए जीव बनाने की प्रक्रिया जारी रख सकता है।

इस खोज की खासियत सिर्फ इतनी नहीं कि अमीबा गर्मी में जिंदा रहता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि यह करीब 64 डिग्री सेल्सियस तक सक्रिय रह सकता है और थोड़े समय के लिए 70 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान का सामना करने के बाद भी संभल सकता है। इससे पहले जटिल कोशिकीय जीवों में गर्मी सहने की क्षमता का जो रिकॉर्ड था, यह उससे आगे निकल गया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस जीव की क्षमताएं धरती पर अत्यधिक गर्म वातावरण में जीवन की संभावनाओं को समझने में मदद कर सकती हैं। यह शोध वैज्ञानिक जर्नल Cell में प्रकाशित हुआ है।

गर्म पानी के झरने में मिला अनोखा शिकारी: फायर अमीबा कैलिफोर्निया के लासेन वोल्केनिक नेशनल पार्क के एक जियोथर्मल यानी भू-तापीय वातावरण में पाया गया। इस क्षेत्र में धरती के भीतर की गर्मी के कारण पानी का तापमान सामान्य जलस्रोतों की तुलना में बहुत अधिक रहता है। ऐसे वातावरण में ज्यादातर जीवों के लिए जीवित रहना कठिन होता है, लेकिन यह अमीबा वहीं सक्रिय पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार इसका वातावरण

लगभग न्यूट्रल पीएच वाला है और यह वहां गर्मी के अनुकूल हो चुके बैक्टीरिया को खाकर जीवित रहता है। यानी यह अपने छोटे से गर्म संसार में एक शिकारी की भूमिका भी निभाता है।

वैज्ञानिकों ने इस जीव में गर्मी से निपटने के कुछ बेहद दिलचस्प तरीके भी देखे हैं। अत्यधिक तापमान की स्थिति में यह अपना आकार बदल सकता है और शरीर के चारों ओर एक तरह की सुरक्षात्मक परत बना सकता है। इससे गर्मी के असर को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा इसके जीन में डीएनए की मरम्मत और कोशिकीय क्षति से निपटने से जुड़े संकेत भी मिले हैं। यही विशेषताएं इसे अत्यधिक गर्म वातावरण में जीवित रहने की क्षमता देती हैं।

दिया कबीरा रोय

घनश्याम मैथिल 'अमृत'
साहित्यकार

राजभाषा का श्राद्ध और हिंदी के कौवे...!

हिंदी हमारी समृद्ध भाषा है ऐसा हम जानते हैं मगर अफसोस ! ऐसा हम मानते नहीं ? हिंदी में एक शब्द है श्रद्धा और दूसरा श्राद्ध दोनों में बड़े आ की एक मात्रा का छोटा सा फर्क और अर्थ में तो जमीन आसमान का , हालांकि जिनपर श्रद्धा होती है उनका ही श्राद्ध किया जाता है और हमारी हिंदी के प्रति श्रद्धा है तो श्राद्ध भी हिंदी का ही होगा अंग्रेजी के प्रति हमारी श्रद्धा नहीं अगाध श्रद्धा है इसलिए उसका श्राद्ध भला क्यों।

आपने देखा होगा श्राद्ध पक्ष आते ही कौवों की पूछ-परख बढ़ जाती है।वैसे इन कौवों से विमुख और साल भर इनसे चिढ़ने वाले और पक्षियों में इसे सयाना कौवा और गंदगी के ढेर पर बैठने वाला कहकर भला-बुरा कहने वाले भी श्राद्ध के दिनों में इन्हें ढूंढते फिरते हैं ,मुंडेर पर बैठा काला-कलूटा कौवा अचानक कुलश्रेष्ठ का दर्जा पा जाता है। खीर-पूरी की कटोरी लेकर लोग इनके आगे पीछे चिरौरी करते फिरते है और इन्हें खीर-पूरी और पकवान खिलाकर अपने पूर्वजों को तृप्त करके धन्य होना चाहते हैं।

जैसे पितृपक्ष आता है वैसे ही हमारी हिंदी का मातृपक्ष ?आता है यह अलौकिक हरा-भरा दृश्य हर साल 14 सितंबर को भारत सरकार के वर्षभर अंग्रेजी में काम करने वाले दफ्तरों में देखने को मिलता है।यहां दफ्तरों की फाइलों में अंदर अंग्रेजी और ऊपर हिंदी के हेड यानि शीर्ष और शीर्षक लिखकर हिंदी में काम काज को बढ़ावा देने के पुरस्कार जीते जाते हैं , पूरा पत्र अंग्रेजी में और नीचे हस्ताक्षर हिंदी में बहुत महत्वपूर्ण साहसी उल्लेखनीय और सम्माननीय पुरस्कारीय कृत्य माना जाता है।

हिंदी के कौवे भी ?14 सितंबर राजभाषा के'वार्षिक श्राद्ध' का पूरे वर्ष बेशर्मी और बेसब्री से इंतजार करते हैं , फिर यह हिंदी के विद्ध सिद्ध और गिद्ध कौवे हिंदी राजभाषा कार्यालयों के आसपास मंडराना शुरू करते हैं,और इन दफ्तरों में शुरू होता है हिंदी -हिंदी खेलने का खेल ,बड़े-बड़े अफसर और बाबू जो साल भर भले अंग्रेजी के भारी-भरकम 'नोटिंग' और 'ड्राफ्टिंग' के पीछे छुपकर दफ्तरी साहबियत और बाबूपने का मज़ा लेते हों मगर श्राद्ध पक्ष आते ही खीर पूड़ी के चक्कर में इन काले कौवों के हृदय में हिंदी के प्रति प्रेम उमड़ने घुमड़ने लगता है।

तरह - तरह के यह सरकारी और असरकारी कौवे दफ्तरों की मुंडेर यानी कुर्सियों पर पर जम जाते हैं। वे अपने- अपने गले में हिंदी का गमछा डालते हैं, माइक सँभालते हैं और कौवे की तरह काँव-काँव करते हुए घोषणा करते हुए हिंदी का गुणगान करते हैं हिंदी में टिप्पण हिंदी में निबंध हिंदी में काव्य ,बस हिंदी और

हिंदी के दृश्य देख मन भर- भर आता है।

आहा ! क्या पवित्र दृश्य होता है। साल भर जिस हिंदी को दफ्तर के किसी अंधेरे कोने में पुरानी फाइलों की तरह पटका गया था, श्राद्ध दिनों में उसे मखमली गद्दे पर बैठाया जाता है। उसे अभिमंत्रित किया जाता है उसे नौकरानी की नौक से हटा रानी कहकर उसके सम्मान में कशीदे पढ़े जाते हैं।

'हिंदी पखवाड़ा' के नाम पर दफ्तरों में प्रतियोगिताओं का मेला लगता है। सालभर अंग्रेजी में काँव-कांव करने वाले?इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले गजब के 'हिंदी कौवे' होते हैं। वे साल भर तो अंग्रेजी को ' त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बंधु च सखा त्वमेव ..।' के गीत गाते हों लेकिन हिंदी दिवस को वही कौवे एकदम गिरगिट की तरह अपना रंग बदलते हैं और ' हिंदी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा गाते हुए। 'यह कौवे खीर खाने दफ्तर के सभागार में आ धमकते हैं। और ' निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल.. !' कहते हुए खुद को भारतेन्दु हरिश्चंद्र का सीधा वंशज मानने लगते हैं।

राजभाषा पखवाड़े का अंतिम दिन सितंबर की आखिरी तारीख होती है यानी'तर्पण अर्पण समर्पण का दिन'। उस दिन एक बड़ा समारोह होता है। मुख्य अतिथि जो आमतौर पर किसी ऐसे विभाग के अध्यक्ष होते हैं जिनका हिंदी से दूर-दूर तक का नाता नहीं होता वह कभी -कभी रोमन अंग्रेजी में लिखा हुआ दस - बीस पंक्तियों का भारी मन से बोझिल सा भाषण देते हैं। जो कि उनके पीए द्वारा लिखा होता है वे हिंदी की दशा -दिशा और दुर्दशा पर दो-चार घड़ियाली आँसू बहाते हैं, फिर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार बँटवाते हैं। अंग्रेजी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने वाले कवि इस आयोजन में हिंदी के गुणगान वाली कविताओं का सस्वर वाचन कर मिले लिफाफे का वजन और शॉल की क्वालिटी टटोलते हैं।

पुरस्कार वितरण समाप्त होते ही सब राहत की साँस लेते हैं। चलो इस हिंदी - बिंदी की मुसीबत से अगली साल तक पीछा छूटा, मुख्य अतिथि को सभी अधीनस्थ हिंदी डे के सक्सेस फुल प्रोग्राम निपटने और हिंदी को निपटाने की बधाई देते हैं? बस ! राजभाषा का श्राद्ध संपन्न हुआ। पितर प्रसन्न हुए। कौवों ने खीर-पूरी डकार ली। हिंदी प्रोत्साहन योजना की सब फाइलें अगले साल तक दफ्तर की अलमारी में धूल खाने के लिए रख दी गई है और ' हिंदी बप्पा मोरिया, बांधों बिस्तर बोरिया ' का नारा कौवे मन ही मन लगा रहे हैं।

अब अगले सालभर तक हिंदी फिर से वेंटिलेटर पर है। अब उसे पूछने वाला कोई नहीं। अब फिर से वही हिंदी बेचारी फिर किसी कोने में बैठी सोचती होगी अरे मेरे लायक नालायक बेटों मुझे राजभाषा मत बनाओ मुझे आम भाषा बनाओ मुझे कागजी आंकड़ों में नहीं अपने दिल में बैठाओ।

लेकिन कौवे कब किसी की सुनते हैं कैलेंडर की तारीखें बदल रही हैं। जैसे ही अगला 14 सितंबर आता है मुंडेर पर फिर वही काँव-काँव सुनाई देती है आओ सयाने कौवों आओ हिंदी के गुण गाओ खीर पूड़ी खाओ और मेरी दुश्मन अंग्रेजी अपनाओ।

न्यूज विंडो

जयकारों से गूंजा तेंदूखेड़ा, श्रीजी की भव्य विमान यात्रा निकली

तेंदूखेड़ा। दसलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर तेंदूखेड़ा में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भगवान आदिनाथ की भव्य विमान शोभायात्रा निकाली गई। आकर्षक विमान में विराजमान श्रीजी के दर्शन के लिए मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। महिला, पुरुष, युवा और बच्चों ने उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता की। विमान यात्रा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने श्रीजी का स्वागत कर दर्शन किए। इस दौरान 'भगवान आदिनाथ की जय' और 'भगवान महावीर की जय' के जयकारों से नगर गूंज उठा। नगर भ्रमण के बाद शोभायात्रा पुनः श्री पार्श्वनाथ मंदिर पहुंची, जहां श्रीजी का अभिषेक और शांतिधारा की गई। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ दस दिवसीय दसलक्षण महापर्व का भावपूर्ण समापन हुआ।

दीनदयाल जयंती पर सेवा का संदेश, भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

सिरोंज। भारतीय जनसंघ के नेता एवं भाजपा के प्रेरणास्त्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। लटेरी रोड स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय मानस उद्यान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर भाजपा नेता रमेश यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, एकात्म मानववाद और अंत्योदय की अवधारणा पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन एवं सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने उद्यान परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।कार्यकर्ताओं ने संगठन की रीति-नीति के अनुसार बूथ केंद्रों को मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लड्डू बांटकर 'आंगन मिलन सेवा' अभियान का हुआ शुभारंभ

तेंदूखेड़ा। महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह के 'आंगन मिलन सेवा' अभियान का शुभारंभ शनिवार को नगर के वार्ड क्रमांक 10 व 11 स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों से हुआ। 5 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, शिक्षा और जनभागीदारी के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रश्मि साहू और अध्यक्ष सरपंच नीतू साहू रहीं। अतिथियों ने बच्चों से संवाद कर उन्हें लड्डू वितरित किए। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर पोषण किट दी गई। केंद्र परिसर में पौधरोपण भी किया गया। शिक्षा व सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना सिंह ठाकुर और जानकी रैकवार को सम्मानित किया गया।

बिजली केबल पर गिरी सागौन की डाल, हादसे का खतरा बरकरार

तेंदूखेड़ा। नगर के विश्राम गृह के सामने सार्वजनिक स्थल पर सागौन के पेड़ की बड़ी डाल टूटकर बिजली की केबल पर गिर गई है। पेड़ की शाखा बिजली लाइन के बेहद करीब होने से यहां हादसे का खतरा बना हुआ है। खास बात यह है कि इसी स्थान से लोगों की आवाजाही होती है और पास में बैठने के लिए बेंच भी लगी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि डाल टूटने के बावजूद संबंधित विभागों ने अब तक इसे हटाने की कार्रवाई नहीं की है। लोगों ने विद्युत विभाग और स्थानीय निकाय से तत्काल निरीक्षण कर टूटी डाल हटाने, बिजली लाइन की जांच कराने और पेड़ की आवश्यक छंटाई कराने की मांग की है।

महाविद्यालय परिसर में हाथों में झाड़ू लेकर निकले विद्यार्थी, दिया स्वच्छता का संदेश

तेंदूखेड़ा। शासकीय महाविद्यालय में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में स्वच्छता जागरूकता रैली एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने किया। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया। इसके बाद विद्यार्थियों ने समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में पहुंचकर लोगों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी और आसपास का वातावरण साफ रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास से ही स्वच्छ वातावरण बनाया जा सकता है। उन्होंने स्वयं जागरूक रहने और परिवार व समाज को भी प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया। अभियान में महाविद्यालय स्टाफ का भी सहयोग रहा।

फिल्म निर्माताओं की पसंद बना नर्मदापुरम, पांचवें साल लौटी 'महारानी'

'महारानी-5' की शूटिंग शुरू, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्थलों ने बढ़ाया फिल्म टूरिज्म का आकर्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और आध्यात्मिक स्थलों के लिए पहचान रखने वाला नर्मदापुरम अब फिल्म निर्माताओं के पसंदीदा शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। लोकप्रिय वेब सीरीज 'महारानी' के सीजन-5 की शूटिंग का शुभारंभ सर्किट हाउस में हुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा ने मुहूर्त शॉट का क्लैप देकर शूटिंग शुरू कराई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन और डीएफओ गौरव शर्मा सहित शूटिंग टीम मौजूद रही।

खास बात यह है कि 'महारानी' की टीम लगातार पांचवें वर्ष नर्मदापुरम में शूटिंग कर रही है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन फिल्म निर्माताओं को हरसंभव सहयोग दे रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग से नर्मदापुरम को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने के साथ स्थानीय कलाकारों को मंच और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचता है। 'महारानी' की मुख्य अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने नर्मदापुरम को अपनी पसंदीदा शूटिंग लोकेशन में शामिल बताते हुए कहा कि यहां शूटिंग के लिए बेहतर और फ्रेंडली माहौल मिलता है। निर्माता नरेन कुमार ने कहा कि पांच वर्षों में नर्मदापुरम से आत्मीय संबंध बन गया है। उन्होंने इसे अपनी 'मित्रभूमि' बताते हुए अन्य फिल्म निर्माताओं को भी यहां शूटिंग के लिए प्रेरित करने की बात कही। कलेक्टर ने हुमा कुरैशी, निर्देशक पुनीत प्रकाश, निर्माता नरेन कुमार, शशि ठाकुर और डीओपी अनुराग सोलंकी सहित पूरी टीम का स्वागत किया।

हुमा कुरैशी को पसंद आया 'फ्रेंडली' माहौल

'महारानी' की मुख्य अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने नर्मदापुरम में शूटिंग के अनुभव को खास बताया। उन्होंने कहा कि यहां शूटिंग के दौरान बेहतर और फ्रेंडली माहौल मिलता है। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से फिल्म यूनिट को काम करने में आसानी होती है। वहीं निर्माता नरेन कुमार ने कहा कि वे करीब तीन दशक से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं और कई शहरों में शूटिंग कर चुके हैं, लेकिन नर्मदापुरम का अनुभव अलग है। पांच वर्षों से लगातार यहां आने के कारण स्थानीय लोगों से आत्मीय संबंध बन गया है।

घटनाक्रम और कार्रवाई के समय को लेकर पुलिस जांच में जुटी, टीआई लाइन अटैच

शराब ठेकेदार के कर्मचारियों पर युवक को गाड़ी में पीटने का केस, वीडियो वायरल

नर्मदापुरम/पिपरिया। दोपहर मेट्रो

शराब ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा एक युवक को रास्ते में रोककर गाड़ी में बैठाने और मारपीट करने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने चार कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामला 23 सितंबर की शाम का बताया जा रहा है। पुलिस ने राजू, गब्बर, रोहित और शशि के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट करने का प्रकरण दर्ज किया है। वहीं शिकायतकर्ता बृजेश कहार के खिलाफ भी सात बोतल अवैध शराब ले जाने का आबकारी एक्ट में केस दर्ज है।

बृजेश ने पुलिस को बताया कि वह शोभापुर कलारी से शराब की बोतलें लेकर घर जा रहा था। तारोन कला रोड पर एक सफेद बोलेरो ने उसका रास्ता रोका। चार लोगों ने बैग की तलाशी लेकर उसे गाड़ी में बैठाया और मारपीट की। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति युवक को थप्पड़ मारता दिखाई दे रहा है। युवक यह कहते हुए सुनाई देता है कि वह शराब बेचने के लिए नहीं, बल्कि पीने के लिए बोतलें ले जा रहा था। आरोप है कि उस पर सात बोतल शराब ले जाने की बात कबूल करने का दबाव बनाया गया।

पुलिस के अनुसार बृजेश के खिलाफ शराब जब्ती का स्थान मोकलवाड़ी-बनवारी के पास शाम 5.55 बजे दर्ज है, जबकि उसने मारपीट का समय करीब 5 बजे तारोन रोड बताया है। इसी अंतर की भी जांच की जा रही है। एसपी साईं कृष्णा एस. थोटा ने बताया कि दोनों मामलों की जांच जारी है। मामले के प्रकाश में आने के बाद स्टेशन रोड थाना प्रभारी मदन पवार को लाइन अटैच किया गया है। जांच में ठेकेदार की भूमिका सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी।

दो महीने पहले भी लगा था मारपीट का आरोप

शराब ठेकेदार के कर्मचारियों पर युवक से मारपीट और उसे रास्ते से उठाकर ले जाने का आरोप पहले भी सामने आ चुका है। करीब दो महीने पहले 19 जुलाई को शोभापुर से शराब खरीदकर पिपरिया जा रहे एक युवक को कथित रूप से कर्मचारियों ने रास्ते से उठाकर मारपीट की थी। आरोप था कि युवक को दो-तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया और बाद में स्टेशन रोड थाना पिपरिया ले जाया गया। यहां उसके खिलाफ आबकारी एक्ट का मामला दर्ज कराने का दबाव बनाने का आरोप लगाया गया था। मामला एसपी के संज्ञान में आने के बाद सोहागपुर थाने में सात कर्मचारियों के खिलाफ अपहरण, मारपीट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। इस मामले में बलवीर सिंह रावत, गब्बर सिंह रावत, शशि सिंह, राजकुमार झरिया, रोहित मिश्रा, मनीष उर्फ देवेंद्र राय और शिवा यादव को आरोपी बनाया गया था।

वीडियो सामने आया तो शुरू हुई जांच

वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने बृजेश से पूछताछ की और उसकी शिकायत पर चार कर्मचारियों के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया। थाना प्रभारी मदन पवार के अनुसार पुलिस ने बृजेश को मुखबिर की सूचना पर पकड़ा था और उसके पास सात बोतल शराब मिली थीं। पुलिस का कहना है कि उस समय उसने मारपीट की शिकायत नहीं की थी। दूसरी ओर, बृजेश ने अपनी शिकायत में कर्मचारियों पर गाड़ी में बैठाकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस अब दोनों मामलों की घटनास्थल, समय और परिस्थितियों का मिलान कर रही है। एसपी साईं कृष्णा एस. थोटा ने जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया गया है। जांच में ठेकेदार की भूमिका मिलने पर उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

108 की टक्कर से बाइक सवार युवक, दो एनसीसी छात्राएं घायल

बस स्टैंड के पास हादसा, पुलिस ने शुरू की जांच

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के बस स्टैंड के पास थाना मार्ग पर 108 एंबुलेंस की चपेट में आने से बाइक सवार युवक सहित दो एनसीसी छात्राएं घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार घायल वीरेंद्र पिता हीरालाल ठाकुर (27), निवासी वार्ड-11 तेंदूखेड़ा, भूमिका पिता प्रताप सिंह लोधी (16) और दीक्षा पिता शोभा सिंह लोधी (14), निवासी पिंडरई हैं। वीरेंद्र के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि दीक्षा को अंदरूनी चोटें बताई गई हैं। घायल छात्राओं ने बताया कि वे एनसीसी में शामिल होने तेंदूखेड़ा आ रही थीं। रोजाना ऑटो से आने वाली छात्राओं का शुक्रवार को ऑटो जल्दी निकल गया, जिससे वे लेट हो रही थीं। इसके बाद वे बाइक सवार वीरेंद्र के साथ आ रही थीं। बस स्टैंड के पास 108 वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों गिरकर घायल हो गए। हादसे की सूचना पर शिक्षक स्वदेश नेमा, परिजन और अन्य शिक्षक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार 108 वाहन क्रमांक सीजी 04 एनयू 4076 था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेजगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े दो गांजा तस्कर, एक लाख का माल बरामद, 2 मोटरसाइकिल जब्त

4 किलो 140 ग्राम गांजा बरामद

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तेजगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 4 किलो 140 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपए बताई गई है। तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी तेंदूखेड़ा के मार्गदर्शन में क्षेत्र में मादक पदार्थों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान गांजा तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी में उनके पास से गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भूपत पिता गिरन सिंह लोधी, निवासी पटेरिया और सुंदर उर्फ बंबई पिता रनमत सिंह जोगी, निवासी तेजगढ़ के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब गांजा कहां से लाया गया और इसे कहां खपाया जाना था, इसकी जांच कर रही है। कार्रवाई में तेजगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अरविंद सिंह लोधी सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साइबर सेल ने भी तकनीकी साक्ष्य जुटाने में सहयोग किया। पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। गांजा बरामद होने के बाद पुलिस अब तस्करी के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। जांच का मुख्य फोकस गांजा सप्लाई करने वाले स्त्रोत और इसे आगे खपाने वाले लोगों तक पहुंचने पर है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि वे गांजा कहां से लेकर आए थे और इसे किसे देने वाले थे। कार्रवाई के दौरान तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

मेट्रो एंकर सेठानी घाट सहित अन्य तटों पर हुआ तर्पण, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या पर होगा समापन

पितृपक्ष में नर्मदा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का पर्व पितृपक्ष शुरू होते ही नर्मदा घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पितृपक्ष के पहले दिन सेठानी घाट, विवेकानंद घाट सहित नर्मदा के अन्य तटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान कर विधि-विधान से पितरों का तर्पण किया। कई स्थानों पर ब्राह्मणों द्वारा सामूहिक रूप से भी तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कराए गए।

पंचांग के अनुसार 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध के साथ पितृपक्ष की शुरुआत हुई। 27 सितंबर से प्रतिपदा श्राद्ध शुरू होगा। 30 सितंबर को चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध होंगे, जबकि 1 से 9 अक्टूबर तक षष्ठी से चतुर्दशी तक के श्राद्ध किए जाएंगे।

10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ पितृपक्ष का समापन होगा। पितृपक्ष के दौरान नर्मदा तटों पर अगले कई दिनों तक श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान का सिलसिला जारी रहेगा। ब्राह्मणों के अनुसार इस अवधि में तर्पण, पिंडदान, भोजन और दान के माध्यम से पूर्वजों का स्मरण किया जाता है। श्रद्धालु अपनी परंपरा और मान्यता के अनुसार नर्मदा तट पर धार्मिक अनुष्ठान कर पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

अमावस्या पर श्राद्ध

सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व माना जाता है। जिन पितरों की श्राद्ध तिथि ज्ञात नहीं होती या निर्धारित तिथि पर श्राद्ध नहीं हो पाता, उनके लिए इस दिन श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जा सकता है।

पेंशनर्स की समस्याओं पर होगा मंथन, बैठक में तय होगी आगामी रणनीति

तेंदूखेड़ा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक एसोसिएशन कार्यालय डॉ. जेपी खेर अस्पताल में आयोजित की जाएगी। बैठक में पेंशनर्स हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों, शासन के निर्णयों के क्रियान्वयन और समस्याओं के निराकरण पर चर्चा होगी। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा के साथ पेंशनर्स डे के आयोजन को लेकर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। सदस्य अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकेंगे। एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. ओपी अवस्थी ने सभी सदस्यों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सामूहिक चर्चा के माध्यम से समस्याओं के समाधान के प्रयास किए जाएंगे।

सिंहस्थ की राह आसान करने की शुरुआत, सीएम ने अपने घर से चलाई गेती

खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक 730 मीटर मार्ग होगा 15 मीटर चौड़ा, 9.80 करोड़ रुपए मंजूर

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को अपने पैतृक मकान पर स्वयं गेती चलाकर भवन हटाने की शुरुआत की। इसके साथ ही खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू हुआ।

करीब 730 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा। मार्ग चौड़ीकरण और विकास कार्य के लिए राज्य शासन ने करीब 9.80 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण और व्यस्त संपर्क मार्गों में शामिल है। सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में श्रद्धालुओं और वाहनों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण को यातायात व्यवस्था के लिए अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक मकान से काम की शुरुआत कर

विकास कार्यों के लिए आवश्यक त्याग का संदेश दिया। सड़क चौड़ी होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ सिंहस्थ के दौरान यातायात प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के लिए तैयार होगा मार्ग

सिंहस्थ महापर्व के दौरान उज्जैन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में शहर की प्रमुख सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों को चौड़ा करने की योजना पर काम किया जा रहा है। खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक सड़क चौड़ीकरण इसी योजना का हिस्सा है। 15 मीटर चौड़ी होने के बाद इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पहले की तुलना में सुगम होने की उम्मीद है। सड़क विकास से स्थानीय आवागमन के साथ सिंहस्थ के दौरान यातायात प्रबंधन में भी सहायता मिलेगी।

730 मीटर मार्ग का बदलेगा स्वरूप

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन के खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक सड़क चौड़ीकरण किया जा रहा है। करीब 730 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इस मार्ग के विकास और चौड़ीकरण के लिए राज्य शासन ने करीब 9.80 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। सड़क चौड़ीकरण के लिए भवन हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने पैतृक मकान से स्वयं गेती चलाकर इसकी शुरुआत की। मार्ग के चौड़ीकरण से क्षेत्र में आवागमन और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बागेड़ी नदी के डेम पर हादसा, पानी में आगे बढ़ते समय फिसला पैर

गणेश विसर्जन की खुशियां मातम में बदलीं, डूबने से तीन किशोरों की मौत

धार/बदनावर। दोपहर मेट्रो

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान बागेड़ी नदी के डेम पर हुए हादसे में तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में लोग बागेड़ी नदी के डेम पर पहुंचे थे। पानी कम होने के कारण कुछ युवक प्रतिमा लेकर आगे की ओर विसर्जन के लिए गए। इसी दौरान राहुल पिता मुकेश प्रजापत, पवन पिता भंवरलाल राठौड़ और निहाल पिता मुकेश राठौड़, निवासी भेरुखालिया, का पैर फिसल गया और तीनों गहरे पानी में चले गए। तीनों को डूबता देख मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें पानी से बाहर निकाला। इसके बाद तीनों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि तीनों किशोरों की उम्र करीब 16 से 17 वर्ष थी और वे बदनावर की सरस्वती कॉलोनी में रहते थे। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। मौत की खबर से गांव में मातम छा गया। सूचना पर बदनावर पुलिस ने मर्ग कायम किया और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपे जाएंगे शव

हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। पुलिस ने तीनों किशोरों की मौत के मामले में मर्ग कायम कर लिया है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों और घटनाक्रम की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान राहुल पिता मुकेश प्रजापत, पवन पिता भंवरलाल राठौड़ और निहाल पिता मुकेश राठौड़ के रूप में हुई है। तीनों भेरुखालिया निवासी बताए गए हैं और बदनावर की सरस्वती कॉलोनी में रहते थे। हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

पानी कम समझकर आगे बढ़े, गहराई में जाकर फिसला पैर : गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान बागेड़ी नदी के डेम पर तीन किशोर हादसे का शिकार हो गए। बताया गया कि पानी कम होने के कारण कुछ युवक प्रतिमा विसर्जन के लिए आगे की ओर चले गए थे। इसी दौरान राहुल प्रजापत, पवन राठौड़ और निहाल राठौड़ का पैर फिसल गया और वे अचानक गहरे पानी में चले गए। तीनों के डूबने की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल पानी में उतरकर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद विसर्जन स्थल पर मौजूद लोगों में भी शोक और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

परिजनों ने जताई जहरीली शराब की आशंका

नवीन की मौत पर गरमाई सियासत, पीएम में अल्सर फटने से खून बहने की हुई पुष्टि

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने सरकार को घेरा, विसरा-ब्लड रिपोर्ट का इंतजार

धार। दोपहर मेट्रो

दिग्ठान क्षेत्र के ग्राम पातलिया निवासी 30 वर्षीय नवीन चौधरी की मौत का मामला राजनीतिक तूल पकड़ गया है। परिजनों ने शराब सेवन के बाद तबीयत बिगड़ने का हवाला देते हुए जहरीली या मिलावटी शराब की आशंका जताई है। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार और आबकारी विभाग पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

नवीन 22 सितंबर की शाम बेहोशी की हालत में मिला था। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पेट में अल्सर फटने और अत्यधिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव से मौत होने की बात सामने आई है। पुलिस ने विस्तृत जांच के लिए मृतक का विसरा और ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार नवीन 21 सितंबर को अपने मामा के यहां ग्राम माचल गया था। अगले दिन लौटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ी। परिजनों का दावा है कि शराब पीने के बाद उसकी हालत खराब हुई थी। सागौर थाना प्रभारी प्रकाश सरोदे के अनुसार प्रारंभिक जांच और पोस्टमार्टम के आधार पर फिलहाल जहरीली शराब से मौत प्रमाणित नहीं हुई है। आरएमओ संजय जोशी ने भी कहा कि पोस्टमार्टम में जहरीली शराब की पुष्टि नहीं हुई है। अंतिम स्थिति विसरा और ब्लड रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

सिंघार ने सरकार, आबकारी विभाग पर उठाए सवाल

नवीन चौधरी की मौत के मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष एवं गंधवानी विधायक उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार और आबकारी विभाग पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में जहरीली शराब का कारोबार फल-फूल रहा है और मुख्यमंत्री से संबंधित आबकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। सिंघार ने कहा कि धार को दूसरा सागर नहीं बनने दिया जाएगा। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब नवीन के परिजनों ने भी शराब सेवन के बाद तबीयत बिगड़ने का दावा करते हुए जांच की मांग की है। हालांकि, उपलब्ध पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अभी तक जहरीली शराब से मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

पोस्टमार्टम में रक्तस्राव, जांच रिपोर्ट का इंतजार : नवीन की मौत के बाद हुए पोस्टमार्टम में पेट का अल्सर फटने और अत्यधिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव के संकेत मिले हैं। पुलिस के अनुसार फिलहाल मौत को जहरीली शराब से जोड़ने वाला कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। मामले की विस्तृत जांच के लिए मृतक का विसरा और ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। इन रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट होने में मदद मिलेगी कि मौत के पीछे शराब या किसी अन्य पदार्थ की भूमिका थी या नहीं।

न्यूज विंडो

शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ दिया नशे से दूर रहने का संदेश

नरसिंहपुर। एमआईएमटी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की पुरुष एवं महिला इकाई द्वारा 'नशा मुक्त युवा' अभियान के तहत 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा गौरव' की संकल्पना पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग सहित चिकित्सक डॉ. तृप्ति भारती, डॉ. शिवा पटेल और डॉ. दुष्यंत सोनी मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. गर्ग ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और स्टाफ सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. पराग नेमा ने किया, जबकि आभार सीनियर रासेयो स्वयंसेवक वेदांत दुबे ने माना। कार्यक्रम में रासेयो पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

अब दीनदयाल उपाध्याय के नाम से जाना जाएगा लटेरी नाका से उद्यान तक का मार्ग

विधायक उमाकांत शर्मा ने पट्टिका का अनावरण कर किया मार्ग का लोकार्पण, बोले- अंत्योदय के विचारों से प्रेरणा लेकर करेंगे जनकल्याण

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर लटेरी नाका तिराहे से दीनदयाल उद्यान तक की सड़क का नामकरण पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग के रूप में किया गया। देर शाम आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने भाजपा संगठन के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की मौजूदगी में नामकरण पट्टिका का पूजन-अर्चन कर अनावरण किया।

इस अवसर पर विधायक शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण का विचार दिया। उन्होंने कहा कि उनके विचारों से प्रेरणा लेकर जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने केंद्र और

प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीबों को आवास, किसानों के सम्मान, युवाओं और श्रमिकों के हित में योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

विधायक ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके नाम से मार्ग का नामकरण होना गौरव की बात है। अब यह सड़क लटेरी नाका से दीनदयाल उद्यान तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग के नाम से जानी जाएगी। उन्होंने नामकरण में सहयोग के लिए नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हरीबाबू भार्गव, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, पार्षद हरिचरण अहिरवार, नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

भोज केसरी दंगल में युवराज का जलवा, यशपाल रहे उपविजेता

धार। दोपहर मेट्रो

सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति श्री भोज चौपाटी पंछी ग्रुप के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय भोज केसरी दंगल का भव्य आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेशभर से पहुंचे करीब 65 पहलवानों ने विभिन्न मुकाबलों में अपने दांव-पेंच और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी मौजूद रहे।

मुख्य मुकाबले में इंदौर के बिंदा ग्रुप व्यायामशाला के पहलवान युवराज पाल विजेता रहे। उन्हें समिति की ओर से गूरज प्रमाण पत्र के साथ 21 हजार रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। वहीं इंदौर की विजय व्यायामशाला के यशपाल पहलवान उपविजेता रहे। उन्हें गूरज प्रमाण पत्र और 11 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया। खड़ी जोड़ में कुश्ती लड़ने वाले पहलवानों को भी नकद राशि एवं स्वर्गीय रामचंद्र परमार पहलवान की स्मृति में गूरज प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अतिथियों का पंछी ग्रुप के सदस्यों ने स्वागत किया। निर्णायक की भूमिका मनीष मूहाले, मुकेश पहलवान बेटमा और तरुण आचार्य ने निभाई। संचालन अनिल गेहलोत और दुलीचंद बानीवाल ने किया।

मेट्रो एंकर

10.60 करोड़ की लागत से 3.20 किमी व्हाइट टॉपिंग रोड का भूमिपूजन

मकरोनिया से सिविल लाइन तक बनेगी विकास की नई लाइफ लाइन

सागर। दोपहर मेट्रो

मकरोनिया से जीरो माइल्स होते हुए सिविल लाइंस तक जाने वाला प्रमुख मार्ग अब आधुनिक स्वरूप में विकसित होगा। 1060.28 लाख रुपए की लागत से 3200 मीटर लंबी और 17 मीटर चौड़ी व्हाइट टॉपिंग सिटी लिंक रोड का भूमिपूजन किया गया। मार्ग पर डिवाइडर और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। इससे मकरोनिया और सागर शहर के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ बढ़ते यातायात को बेहतर सुविधा मिलेगी।

भूमिपूजन समारोह सांसद डॉ. लता वानखेड़े के मुख्य आतिथ्य और नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया की अध्यक्षता में हुआ। सागर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक लारिया ने कहा कि नरयावली विधानसभा में पिछले 17 वर्षों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने इस मार्ग को मकरोनिया और सागर के भविष्य के शहरी विस्तार को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण विकास गलियारा बताया।

सांसद वानखेड़े ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से आवागमन के साथ व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। जैन ने कहा कि तेजी से हो रहे शहरी विस्तार के बीच यह मार्ग यातायात व्यवस्था को मजबूती देगा।

मीटर चौड़ी सड़क, डिवाइडर और आधुनिक लाइटिंग

मकरोनिया से सिविल लाइंस तक बनने वाली सिटी लिंक रोड की लंबाई 3.20 किलोमीटर होगी। 1060.28 लाख रुपए की लागत से बनने वाली यह सड़क व्हाइट टॉपिंग तकनीक से विकसित की जाएगी। मार्ग की चौड़ाई 17 मीटर रखी गई है। सड़क पर डिवाइडर के साथ आधुनिक प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के अनुसार परियोजना का उद्देश्य मकरोनिया और सागर के बीच बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। बढ़ते यातायात और भविष्य में होने वाले शहरी विस्तार को देखते हुए मार्ग को महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजना माना जा रहा है। इससे क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम होने की उम्मीद है।

2/2/14/0007/2025-GAD-12(1)-01(GAD) 1/1328777/2026

मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
(अधीक्षण शाखा)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल (म.प्र.)-462004

क्रमांक एफ 2/2/14/0007/2025/12-1/2336 भोपाल दिनांक 24/09/2026

: : प्री-बिड सूचना : :

म.प्र. मंत्रालय वल्लभ भवन क्रमांक-1 में मान 0 मंत्रीगणों/अधिकारी कक्षों की नेमप्लेट लिखे जाने संबंधी कार्य हेतु बंद लिफाफा पद्धति में निविदा आमंत्रित किये जाने के पूर्व निविदाकारों से निविदा शर्तों पर चर्चा हेतु प्री-बिड आमंत्रित की गई है जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

1.	प्री-बिड बैठक एवं स्थान	दिनांक 28.09.2026 समय अपरान्ह 12:30 बजे से मंत्रालय स्थित कक्ष क्रमांक-116 (समिति कक्ष)

2/ निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.09.2026 को मंत्रालय वल्लभ भवन स्थित कक्ष क्रमांक 116 (समिति कक्ष) में समय 12:30 बजे बैठक में उपस्थित होकर अपने अभिमत प्रस्तुत करें।

(मनोज श्रीवास्तव)
अवर सचिव (अधीक्षण)
म.प्र. शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

जी-19100/26

विराट की 2027 वर्ल्ड कप में भारत को चैंपियन बनाने पर नजर

बोले- यह मेरा आखिरी वर्ल्ड कप, ट्रॉफी के लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 को लेकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले 'जियोस्टार' से बातचीत में कोहली ने कहा कि साउथ अफ्रीका में होने वाला अगला वनडे विश्व कप उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। ऐसे में उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा भारत को विश्व कप जिताना है।

कोहली के मुताबिक 50 ओवर का विश्व कप दुनिया के किसी भी दूसरे क्रिकेट टूर्नामेंट से अलग और बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। लंबे टूर्नामेंट में लगातार उच्च स्तर की ऊर्जा और प्रदर्शन बनाए रखना खिलाड़ियों के लिए बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में वनडे क्रिकेट की गति भी काफी तेज हो गई है और मुकाबलों में टी20 जैसी तीव्रता देखने को मिलती है।

कोहली ने 50 ओवर के विश्व कप की चुनौती को समझाते हुए कहा कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को करीब 10 मैचों तक लगातार उसी स्तर की ऊर्जा और एकाग्रता बनाए रखनी होती है। उनके अनुसार एकदिवसीय क्रिकेट में अब बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में तेजी बढ़ गई है, जिससे खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव भी बढ़ता है। उनका कहना है कि विदेशी परिस्थितियों में होने वाला विश्व कप चुनौती को और कठिन बना देता है।

'भारत के लिए आखिरी वर्ल्ड कप' सबसे बड़ी प्रेरणा

विराट कोहली ने कहा कि 2027 का विश्व कप उनके लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने संकेत दिया कि यह उनके करियर का आखिरी वनडे विश्व कप हो सकता है। यही वजह है कि वह इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए पूरी ताकत लगाने की तैयारी में हैं। कोहली ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य भारत को विश्व कप जिताना है। इसके लिए उन्हें मैदान पर जिस तरह का योगदान देना होगा, वह उसके लिए तैयार हैं। विश्व कप जैसे बड़े मंच पर लंबे समय तक लगातार प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता पहले भी भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण रही है।

विश्व कप में कोहली का शानदार रिकॉर्ड

विराट कोहली विश्व कप इतिहास के सफल बल्लेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने अब तक 37 विश्व कप वनडे मैचों में 59.83 की औसत से 1,795 रन बनाए हैं। उनके नाम पांच शतक और 12 अर्धशतक हैं, जबकि विश्व कप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रन रहा है। अपने पूरे वनडे करियर में कोहली ने 302 पारियों में 58.59 की औसत से 14,941 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 54 शतक और 79 अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर 183 रन है और स्ट्राइक रेट 93.95 रहा है। कोहली का टी20 विश्व कप रिकॉर्ड भी उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने 35 मैचों में 58.73 की औसत से 1,292 रन बनाए हैं। उनके नाम 15 अर्धशतक हैं, जो टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा हैं।

रोहित शर्मा बोले- हर टूर्नामेंट नई चुनौती

वहीं, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित शर्मा ने भी विश्व कप को लेकर अपने नजरिए को सामने रखा। रोहित ने कहा कि उनके लिए किसी उपलब्धि को अंतिम लक्ष्य मान लेने की सोच नहीं है। जब तक खिलाड़ी मैदान पर रहता है, तब तक नई चुनौतियां सामने आती रहती हैं। रोहित के मुताबिक विश्व कप और आईसीसी टूर्नामेंट में अलग-अलग टीमों और अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में हर मुकाबले और स्थान के हिसाब से तैयारी तथा रणनीति में बदलाव करना जरूरी होता है।

2027 में दक्षिण अफ्रीका समेत इन देशों में होगा आयोजन

आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में प्रस्तावित है। ऐसे में भारतीय टीम के सामने अलग परिस्थितियों में लंबे टूर्नामेंट में प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। कोहली के लिए यह टूर्नामेंट उनके वनडे करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है, जबकि रोहित भी भविष्य की चुनौतियों को लेकर अपनी तैयारी जारी रखने की बात कह चुके हैं।

वनडे का सुपर संडे

टी-20 क्रिकेट के दौर से लोकप्रिय हुआ 'सुपर संडे' का फंडा आज वनडे क्रिकेट में भी दिखाई देगा।वर्ल्ड क्रिकेट की 6 बड़ी टीमें लगभग एक घंटे के अंतराल में 50 ओवर के इस फॉर्मेट में आमने-सामने होंगी। ऑस्ट्रेलिया का सामना साउथ अफ्रीका से होगा, इंग्लैंड की भिड़ंत श्रीलंका से और टीम इंडिया वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान में उतरेगा। वनडे की शीर्ष टीमों के इतने मुकाबले एक ही दिन हों तो क्रिकेटप्रेमियों के लिए इसे वनडे का 'सुपर संडे' कहना सही होगा।

फिर भी बात जब टीम इंडिया की हो तो बाकी मुकाबलों की चर्चा अपने आप पीछे छूट जाती है।टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आज से आगाज हो रहा है। इस सीरीज को 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि वर्ल्ड नंबर 1 की असल परीक्षा इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में होगी, जहां हालात और चुनौती दोनों अलग रहती हैं।एशियन गेम्स के कारण कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में शुभमन गिल की कप्तानी में उतरने वाली टीम इंडिया के सामने सबसे बड़ा सवाल सही संयोजन तलाशने का है। रोहित शर्मा और विराट कोहली की मौजूदगी से अनुभव की कमी तो नहीं होगी, लेकिन श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति में नंबर चार का स्थान और जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण का संतुलन टीम प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती रहेगा।ऑलराउंडर संयोजन पर भी चयनकर्ताओं की नजरें टिकी होंगी। हार्दिक पांड्या की चोटों ने इस भूमिका को और महत्वपूर्ण बना दिया है। ऐसे में नितीश कुमार रेड्डी पर विशेष निगाह रहेगी। टीम प्रबंधन के सामने उन्हें सिर्फ एक विकल्प के रूप में तैयार करने की चुनौती नहीं है, बल्कि उनकी फिटनेस को संभालते हुए लंबे समय तक उपयोगी बनाए रखने का सवाल भी है। 2027 विश्व कप की तैयारियों में उनकी भूमिका इसी सीरीज से स्पष्ट होने लगेगी। अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखें तो नंबर छह और सात का संयोजन भारतीय टीम की असली ताकत या कमजोरी तय कर सकता है। अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी विकल्प जरूर देते हैं, लेकिन उछाल और तेज पिचों पर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका अलग महत्व रखती है। यही वजह है कि नितीश रेड्डी जैसे विकल्पों को लगातार आजमाना जरूरी होगा। सिर्फ बल्लेबाजी करने वाले विकल्प को ऑलराउंडर मानकर चलना टीम संयोजन के लिहाज से जोखिम भरा हो सकता है।गेंदबाजी में भी कहानी कुछ अलग नहीं है। बुमराह के वर्कलोड मैनजेमेंट और फिटनेस को लेकर टीम प्रबंधन की सतर्कता समझी जा सकती है, लेकिन पिछले कुछ समय में भारतीय खिलाड़ियों की चोटों ने टीम मैनजेमेंट और फिजियो प्रबंधन पर भी सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और आकिब नबी जैसे विकल्पों को आजमाना भविष्य की तेज गेंदबाजी यूनिट तैयार करने की दिशा में अहम कदम होगा। जो भी हो फिर भी इस सीरीज का सबसे बड़ा आकर्षण 'रो-को' ही रहेगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी ने सीरीज की चमक बढ़ा दी है। कोहली को लेकर फॉर्म और भविष्य की चर्चा पहले ही काफी हो चुकी है। रोहित के मामले में भी सवाल कम नहीं हैं। कप्तानी से अलग होने के बाद अब उनकी भूमिका मुख्य रूप से बल्ले से प्रभाव छोड़ने की होगी।

घरेलू मैदान पर अगर रोहित का बल्ला चला तो तमाम सवाल कुछ समय के लिए शांत हो जाएंगे। लेकिन अगर उनकी धमाकेदार पारी का इंतजार लंबा हुआ तो भारतीय क्रिकेट की सुर्खियां एक बार फिर 'हिटमैन' के भविष्य पर ही लौटेंगी।यही वजह है यह सुपर संडे सिर्फ मुकाबलों का दिन नहीं है।टीम इंडिया के लिए यह 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी में सही खिलाड़ियों, सही संयोजन और सही भूमिका तलाशने और उनकी फिटनेस वाली लंबी प्रोसेस का एक अहम पड़ाव भी है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

इजरायल से मैच को लेकर आयरलैंड की टीम में बवाल, खिलाड़ियों ने की वोटिंग, एक ने छोड़ा कैम्प

डेब्रेसेन, एजेंसी

इजरायल के खिलाफ UEFA नेशन्स लीग मुकाबले से पहले आयरलैंड की फुटबॉल टीम में तनाव की स्थिति बन गई। गाजा में जारी संघर्ष के बीच इजरायल के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार की मांग के बाद खिलाड़ियों ने होटल में घंटों बैठक की और अंत में वोटिंग के जरिए मैच खेलने का फैसला किया। हालांकि, गोलकीपर गैविन बाजुनु ने इस फैसले से अलग रुख अपनाते हुए टीम कैम्प छोड़ दिया।

दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला आज हंगरी के डेब्रेसेन में खेला जाना है। शनिवार को टीम की प्रेस कॉन्फ्रेंस और ट्रेनिंग में पांच घंटे से ज्यादा की देरी हुई। इस दौरान खिलाड़ी मैच खेलने को लेकर आपस में चर्चा करते रहे। फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ आयरलैंड (स्वढ्ढ) के मुख्य कार्यकारी डेविड कूरेल ने बताया कि एक खिलाड़ी ने मुकाबले

में हिस्सा लेने को लेकर अपनी असहजता जाहिर की थी। इसके बाद पूरी टीम ने इस मुद्दे पर चर्चा की और खिलाड़ियों के बीच वोटिंग कराई गई। गैविन बाजुनु ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए टीम कैम्प छोड़ने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका फैसला व्यक्तिगत विश्वास पर आधारित है और वह निर्दोष लोगों की हत्या के खिलाफ हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका रुख इजरायल के लोगों या यहूदी समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि क्षेत्र में हो रही हिंसा के विरोध में है।

मैच का बहिष्कार नहीं करने के बावजूद आयरलैंड के खिलाड़ी मुकाबले के दौरान काली पट्टी पहनेंगे। एफएआई के मुताबिक, यह संघर्ष में जान गंवाने वाले लोगों की याद में किया जाएगा। टीम मैच से पहले होने वाले कुछ कार्यक्रमों में भी हिस्सा नहीं लेगी। एफएआई ने यह भी बताया कि खिलाड़ी और संघ मैच फीस से चैरिटी के लिए योगदान देंगे।

शतरंज ओलंपियाड: भारत की पुरुष टीम ने उज्बेकिस्तान-2 को रौंदा

चीन से ड्रॉ खेलकर महिलाओं की उम्मीदें कायम

समरकंद , एजेंसी

विश्व चैंपियन डी. गुकेश, निहाल सरीन और आर. प्रज्ञानंद के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने 46वें शतरंज ओलंपियाड के 10वें और पेनल्टीमेट राउंड में उज्बेकिस्तान-2 को 3.5-0.5 से हराकर पदक की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। वहीं, भारतीय महिला टीम ने शीर्ष पर चल रहे चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

उज्बेकिस्तान-2 के खिलाफ भारतीय पुरुष टीम की शुरुआत निहाल सरीन ने जीत के साथ की। काले मोहरों से खेलते हुए निहाल ने शुरुआती दौर में ही कुछ प्यादे हासिल कर बढ़त बनाई और मुखम्मदजोहिद सुयारोव को दबाव में ला दिया। इसके बाद विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ओर्टिक निग्मातोव को हराकर भारत की बढ़त को और मजबूत किया। दूसरे बोर्ड पर अर्जुन एरिगैसी ने अब्दिमालिक अब्दिसालिमोव के खिलाफ बाजी ड्रॉ कराई। आखिरी मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद ने जाखोंगीर वाखिदोव को मात देकर भारत की 3.5-0.5 की शानदार जीत सुनिश्चित की। इस जीत के बाद भारत के खाते में 17 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में अकेले दूसरे स्थान पर है। उज्बेकिस्तान-1 की टीम 18 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है। उसने भी आर्मेनिया को 3.5-0.5 से हराया। भारत के पास रजत पदक जीतने की मजबूत स्थिति है।

महिला वर्ग में कजाखस्तान दूसरे स्थान पर

कजाखस्तान ने फ्रांस को 2.5-1.5 से हराकर 17 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर पहुंच गया। मंगोलिया को पोलैंड के खिलाफ 1-3 से हार मिली, जबकि वियतनाम ने इंडोनेशिया को 2.5-1.5 से मात दी। अब ओलंपियाड के आखिरी दौर में भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों के सामने पदक की स्थिति मजबूत करने का मौका होगा।

चीन के खिलाफ भारतीय महिला टीम का ड्रॉ

महिला वर्ग में भारतीय टीम ने शीर्ष पर चल रहे चीन को कड़ी टक्कर दी और मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। इस ड्रॉ के बाद चीन 18 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि कजाकिस्तान 17 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत 16 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत के लिए बी. सावित्रा श्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झाई मो को हराया। यह इस ओलंपियाड में उनकी आठवीं जीत रही। सावित्रा ने नौ मुकाबलों में अब तक 8.5 अंक हासिल किए हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'भाभी तबाही' में यामी गौतम का देसी अंदाज, भांगड़ा-रैप से मचेगी धूम

यामी गौतम धर की अपकमिंग फिल्म 'नई नवेली' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म का नया गाना 'भाभी तबाही' रिलीज हो चुका है, जिसमें यामी मोहिनी के किरदार में देसी अंदाज और एनर्जी से भरपूर परफॉर्मेंस देती नजर आ रही हैं। गाने को शादी के जश्न की पृष्ठभूमि में फिल्माया गया है, जहां यामी सेंटर स्टेज पर अपनी खास मौजूदगी दर्ज कराती हैं।

'भाभी तबाही' की सबसे खास बात इसका म्यूजिक है। गाने में भांगड़ा, रैप, क्लासिकल और हिप-हॉप जैसे अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल को एक साथ पिरोया गया है। कंपोजर जी.वी. प्रकाश कुमार ने बताया कि गाने को तैयार करते समय उन्होंने साउंड के साथ कई प्रयोग किए। उनके मुताबिक, गाने में देसी रंग बनाए रखते हुए इसे फ्रेश और एनर्जेटिक बनाने की कोशिश की गई है। गीतकार वायु के शरारती बोल और नीति मोहन की आवाज गाने को अलग पहचान देते हैं। कंपोजर ने कहा कि उनकी कोशिश थी कि गाना सुनते ही लोगों को मस्ती और ऊर्जा महसूस हो।

16 अक्टूबर को रिलीज होगी 'नई नवेली'

यामी के डांस और एक्सप्रेशन ने खींचा ध्यान

गाने में यामी गौतम मोहिनी के किरदार में नजर आ रही हैं। कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए बताया कि मोहिनी की पर्सनैलिटी को ध्यान में रखते हुए डांस में आत्मविश्वास और शरारत का मेल रखा गया। गाने में देवर-भाभी के बीच होने वाले मजेदार आमना-सामना को भी डांस और एक्सप्रेशन के जरिए दिखाया गया है। विजय के मुताबिक, यही हिस्सा कोरियोग्राफी को खास और दिलचस्प बनाने वाला था। 'भाभी तबाही' का वीडियो एक पारिवारिक शादी समारोह के बीच फिल्माया गया है। रंगीन माहौल, डांस और संगीत के बीच मोहिनी की एंट्री कहानी में उत्साह बढ़ाती है। मेकर्स के मुताबिक, यह ऐसा गाना है जिसे फैमिली सेलिब्रेशन के माहौल में भी आसानी से पसंद किया जा सकता है।

ये कलाकार भी आएंगे नजर

'नई नवेली' में यामी गौतम धर के साथ अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवर, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुष्मिता मुखर्जी, सोनल झा, सुनील सिन्हा, प्रतीक पचोरी, अक्षत सिंह, बबीता पांडे, अजय पाल और नीरज सिंह भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है, जबकि कहानी और स्क्रीनप्ले हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। 'नई नवेली' 16 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ये सबसे घटिया डिस था, मनोज तिवारी की बेटी की सलमान खान ने लगाई क्लास

मुंबई । अभिनेता सलमान खान इन दिनों बिग बॉस-20 में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। आगामी वीकेंड के वार में सलमान खान को कंटेस्टेंट रिति तिवारी को हालिया एपिसोड में लाइन क्रॉस करने पर फटकार लगाते देखा जाएगा। वीकेंड का वार एपिसोड के प्रोमो में दिखाया गया कि सलमान, मनोज तिवारी की बेटी रिति को डिस टास्क के दौरान काजी तौकीर और उदिति सिंह के लिए इस्तेमाल की गई आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल करने पर डांट रहे हैं। प्रोमो में सलमान खान कहते हैं, ÷रिति, यह अब तक का सबसे घटिया डिस था। आपको लिमिट में रहकर इज्जत दिखानी चाहिए। आपकी भाषा कहीं और ही जा रही थी।÷

इसके बाद उन्होंने रिति की टीम के सभी मेंबर्स, जिनमें स्काउट ओपी, लव गिल, आम्रपाली दुबे, आसिफ खान और यंग डीएसए शामिल हैं, से सवाल किया कि वे हंस क्यों रहे थे और उन्होंने रिति को रोका क्यों नहीं। सलमान ने कहा, ÷सब हंस रहे थे। आप लोगों की समझ कहां है? आप सब उसको चढ़ा रहे थे और वह बदतमीजी पर बदतमीजी कर रही थी। क्या वहीं पर इसे रोकना आपकी जिम्मेदारी नहीं थी? अगर ये डिस आपकी बहन पर होता, तो क्या आप इसे होने देते?÷इस हफ्ते बेघर होने के लिए नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स में ईशा रिखी और यंग डीएसए शामिल हैं। %बिग बॉस-20% के लेटेस्ट एपिसोड में कुशल तंवर (गुल्लू) दूसरी बार फिर से घर के कैप्टन चुने गए। बिग बॉस 20 की शुरुआत 6 सितंबर से हुई है। इस सीजन में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदिति सिंह,यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

मेट्रो बाजार

भारत का बॉन्ड बाजार मजबूत, आर्थिक बुनियाद के दम पर शेयर बाजार में फिर से लौटेगी तेजी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा है कि हाल के वर्षों में भारत के बॉन्ड बाजार का प्रदर्शन न केवल अपने पिछले रिकॉर्ड की तुलना में बेहतर रहा है, बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भी अधिक मजबूत रहा है। उनका कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद अंततः शेयर बाजार में भी दिखाई देगी और भारतीय इक्विटी दोबारा निवेशकों के लिए आकर्षक बनेगी। आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में पूनम गुप्ता ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड यील्ड 22 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बावजूद भारतीय बॉन्ड बाजार ने मजबूती दिखाई है। उन्होंने इसके पीछे केंद्र सरकार की राजकोषीय अनुशासन के प्रति प्रतिबद्धता और आने वाले वर्षों में उच्च आर्थिक विकास दर की संभावनाओं को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि सरकार की वित्तीय स्थिति में सुधार और भविष्य में बेहतर राजकोषीय परिणामों की उम्मीदों ने भारतीय बॉन्ड बाजार को मजबूती प्रदान की है। इसके अलावा मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता और मुद्रास्फीति से जुड़े संरचनात्मक दबावों में आई कमी ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। पूनम गुप्ता ने उल्लेख किया कि भारत के सुव्यवस्थित बॉन्ड बाजार को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हुई है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित पत्रिका द इकोनॉमिस्ट ने टिप्पणी की थी कि भारत का अनुभव यह दिखाता है कि सार्वजनिक वित्त को मजबूत रखना और केंद्रीय बैंकरों को स्वतंत्र रूप से महंगाई नियंत्रित करने देना कितना महत्वपूर्ण है।

डब्ल्यूएचओ महामारी समझौते पर भारत का जोर

पैथोजन तक निष्पक्ष पहुंच और लाभ साझा करने की मांग की

नई दिल्ली । न्यूयॉर्क में महामारी की रोकथाम और उससे निपटने के तरीकों पर हुई संयुक्त राष्ट्र की एक उच्च-स्तरीय बैठक में स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने डब्ल्यूएचओ महामारी समझौते के तहत %पैथोजन एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग% (पीएबीएस) की निष्पक्ष प्रणाली की मांग की है। उन्होंने कहा कि जो देश पैथोजन (बीमारी फैलाने वाले कीटाणु) और बायोलॉजिकल संसाधन उपलब्ध कराते हैं, उन्हें वैक्सीन, डायग्नोस्टिक्स, इलाज के तरीकों, टेक्नोलॉजी और दूसरे फायदों तक समय पर पहुंच मिलनी चाहिए।

श्रीवास्तव ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी को मजबूत करने के भारत के संकल्प को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि कोविड-19 महामारी से मिले सबक को लगातार निवेश, संस्थागत क्षमता और मजबूत हेल्थ सिस्टम में बदला जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें राष्ट्रीय हेल्थ सिस्टम, विकास योजनाओं और घरेलू फंडिंग पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मदद राष्ट्रीय जिम्मेदारी में सहायक हो। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, श्रीवास्तव ने महामारी की रोकथाम और उससे निपटने के लिए सरकार और समाज के स्तर पर भारत के समन्वित दृष्टिकोण के बारे में बताया, जिसमें कई तरह की संभावित स्वास्थ्य आपात स्थिति में शामिल हैं। उन्होंने लैब नेटवर्क, आपातकालीन समन्वय, हेल्थ वर्कफोर्स, स्टॉक और क्लिनिकल देखभाल क्षमता को बढ़ाने के देश के प्रयासों का जिक्र किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सिस्टम स्वास्थ्य आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के अनुभव के आधार पर, श्रीवास्तव ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को ग्लोबल पब्लिक गुड (वैश्विक सार्वजनिक भलाई) के रूप में मान्यता देने का आह्वान किया।

'हरि' के 'द्वार' पर पितरों का तर्पण

हरिद्वार. एजेंसी। 26 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है। पूर्णिमा से शुरू होकर अमावस्या तक चलने वाले श्राद्ध के इन 15 दिनों में लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और तर्पण करते हैं। गया से हरिद्वार लोग अपने पूर्वजों की पूजन करने जाते हैं। यह तस्वीर तीर्थ नगरी हरिद्वार की है। जहां लोग अपने पूर्वजों की आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 'तर्पण' अनुष्ठान करने के लिए एकत्रित हुए।

न्यूज विंडो

बाढ़ के पानी में रील बनाना पड़ा भारी, बालेश्वर में 3 युवक बहे

बालेश्वर (ओडिशा). एजेंसी। बालेश्वर। ओडिशा के बालेश्वर जिले में बाढ़ के पानी के बीच रील बनाना तीन युवकों के लिए जानलेवा साबित होते-होते बचा। रविवार को तेज बहाव वाले जलमग्न क्षेत्र में वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान तीनों युवक पानी में बह गए, हालांकि बाद में उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। यह घटना बालेश्वर सदर ब्लॉक के ओलंदासरंगा पंचायत अंतर्गत तेंतुलिमुंडी क्षेत्र में हुई। यहां बाढ़ का पानी सड़क के ऊपर से तेज गति से बह रहा था। बताया गया है कि तीनों युवक रील बनाने के लिए जलमग्न सड़क पर उतर गए थे, वहां पानी का बहाव काफी तेज था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक सड़क पर बह रहे पानी के बीच वीडियो शूट कर रहे थे। तभी बह गए।

आश्रम में 1 साल में 55 वृद्धों की मौत, अपने सिर्फ बीमा क्लेम के लिए शव लेने आए

वाराणसी.एजेंसी। उत्तरप्रदेश के वाराणसी में अपना घर आश्रम में रहने वाले 55 बुजुर्गों की पिछले एक साल में मौत हुई है। जब ये जिंदा थे, तब इनके अपनों ने इनकी कभी सुध नहीं ली। खैरियत नहीं पूछी। मौत हो गई तो सिर्फ इसलिए शव लेने आए क्योंकि उसके बिना बीमा क्लेम या संपत्ति पर हक नहीं मिल पाएगा। इनमें से कुछ तो शव लेने भी नहीं आए, सिर्फ मृत्यु प्रमाण पत्र चाहते हैं। परंपरा है कि जिन अपनों की मौत हो जाती है, उन्हें पितृपक्ष में याद किया जाता है। कुछ लोग जिंदा रहते ही अपने माता-पिता को आश्रम में रहने के लिए छोड़ आते हैं।

अपना घर आश्रम के संचालक डॉ. के. निरंजन कहते हैं, अपनों का शव ले जाने के पीछे का असली मकसद संपत्ति का बंटवारा, जमीन की रजिस्ट्री या फिर बीमा क्लेम होता है। लोग दाह-संस्कार करके मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाते हैं और फिर कागजों में अपने होने के सबूत और गवाही देते हैं। मां बाप का शव या मृत्यु प्रमाण पत्र लेने आए परिजन उनकी गठरी, सामान, पैसा, गहने और कपड़े ले जाना नहीं भूलते।

यूएन: जयशंकर ने की कनाडा, मेक्सिको से ऊर्जा- एआई पर चर्चा

वॉशिंगटन.एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत की कूटनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अलग-अलग बैठकों में कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई। जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक की। जयशंकर ने कहा, दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। एआई और ऊर्जा के क्षेत्र पर भी चर्चा की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब भारत-कनाडा के संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में दोनों पक्षों की बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जयशंकर ने मेक्सिको के विदेश मंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ भी बैठक की।

सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में 5 देश, भारत 8 बार रहा अस्थायी सदस्य

रूस का UNSC में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन

नई दिल्ली। एजेंसी

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। हम ब्राजील और भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं। लावरोव ने सुरक्षा परिषद में पश्चिमी देशों की अतिरिक्त सीटों का विरोध किया। उन्होंने खासतौर पर जर्मनी और जापान का नाम लेते हुए उन पर 'सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप लगाया।

लावरोव ने कहा कि यूएनएससी में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कमी नहीं होनी चाहिए।

भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 से

भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 के दशक से उठती रही है। 2008 से ह में सुरक्षा परिषद सुधार पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई। 2010 में भारत ने ब्राजील, जर्मनी और जापान के साथ 4 समूह बनाकर स्थायी सीट की मांग आगे बढ़ाई। 2026 में भी सुधार को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन सदस्य देशों के बीच के नए ढांचे पर सहमति नहीं बनी है।

भारत यूएनएससी में छठी परमानेंट सीट का सबसे मजबूत दावेदार

दुनिया की 17% आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसतन सालाना विकास दर 7% से ज्यादा रही है। यह चीन के बाद किसी भी दूसरे बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस आर्थिक ताकत को यूएनएससी में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत परमाणु शक्ति संपन्न है, लेकिन वह दिखावा नहीं करता

भारत परमाणु शक्ति संपन्न है, लेकिन वो इसका दिखावा नहीं करता। अगर भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाता है तो परमाणु निरस्त्रीकरण प्रोग्राम में वह अहम भूमिका निभा सकता है। सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाना चाहिए।

इंटरनेशनल थिंक टैंक 'अटलांटिक काउंसिल' के सर्वे के मुताबिक यदि अगले एक दशक में ह्रस्ट का विस्तार होता है तो उसमें सबसे ज्यादा मौके भारत के लिए होंगे। एक्सपर्ट्स के बीच कराए गए सर्वे के अनुसार, भारत के स्थायी सदस्य बनने की संभावना 26 फीसदी रहेगी।

'मन की बात' में पीएम नरेंद्र मोदी बोले-

सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे, यह आतंक के खिलाफ भारत की नई नीति का उदाहरण

नई दिल्ली। एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के कारण भारत ने लंबे समय तक दर्द झेला है। सर्जिकल स्ट्राइक इसी के खिलाफ निर्णायक जवाब था।

मोदी ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। कहा, भारत ने अपना रुख बार-बार साफ किया है। आतंकवादी भारत पर हमला करेंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। मआज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। उन्होंने 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट और 26/11 मुंबई हमले को भी याद किया। 9/11 हमले के 25 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व, समय निकालें

पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। मैंने 15 अगस्त को भी देशवासियों से आग्रह किया था कि इसके लिए समय जरूर निकालें। जनगणना के लिए अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने की यह सुविधा बहुत आसान है। आप अपने मोबाइल से ही अपनी और परिवार की जानकारी दर्ज करा सकते हैं।

केरलम के पूर्व मुख्य सचिव का दावा

'2016 में ज्ञानेश कुमार ने बीजेपी से टिकट दिलाने का दिया था ऑफर'

नई दिल्ली.एजेंसी। केरलम के पूर्व मुख्य सचिव जीजी थॉमसन ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार जब आईएएस अधिकारी थे तो उन्होंने बीजेपी से टिकट दिलाने का ऑफर दिया था। ज्ञानेश पर आरोप लगाते हुए जीजी थॉमस ने कहा कि उनसे पूछा गया था कि क्या वे राज्य के पथानामथिट्टा से बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ने में दिलचस्पी रखते हैं।

स्थानीय अखबार के अनुसार, उन्होंने कहा, उस समय मैं केरल का मुख्य सचिव था। हम एक ही फ्लाइट में यात्रा कर रहे थे। वे प्रधानमंत्री मोदी की

तारीफ कर रहे थे और उन्होंने मुझसे साफ-साफ पूछा कि क्या मैं 2019 के आम चुनावों में पथानामथिट्टा से बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने में दिलचस्पी रखता हूं। वे मुझे मनाने की बहुत कोशिश कर रहे थे लेकिन मैंने तुरंत मना कर दिया। बता दें कि 2019 में कांग्रेस के एंटो एंटनी ने पथानामथिट्टा लोकसभा सीट जीती, जबकि सीपीआई (एम) की वीना जॉर्ज दूसरे स्थान पर रहीं। बीजेपी ने पथानामथिट्टा से के. सुरेंद्रन को उम्मीदवार बनाया था।

रोबोट की सेना से होगा रूस का मुकाबला... सबसे खतरनाक मिशन के लिए यूक्रेन ने उतारी मशीनी आर्मी

कीव। एजेंसी

रूस के खिलाफ यूक्रेन युद्ध में रोबोट का इस्तेमाल बढ़ाने की कोशिशें तेज कर रहा है। पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव ने आर्मी ऑफ रोबोट्स नाम की एक नई पहल की घोषणा की है। इसका मकसद ऐसी मशीनें बनाना है जो युद्ध के मैदान में सबसे खतरनाक काम कर सकें।

कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, फेडोरोव ने 26 सितंबर को इसकी घोषणा की। उन्होंने इसे एक डिफेंस-टेक इकोसिस्टम बताया जो सेना के इस्तेमाल के लिए रोबोटिक सिस्टम के विकास, टेस्टिंग और तैनाती में मदद करेगा।

इस पहल का मकसद ड्रोन के साथ यूक्रेन के अनुभव को आगे बढ़ाना और बिना इंसानों वाले युद्ध को आसमान से जमीन तक फैलाना है। फेडोरोव ने कहा कि यह पहल ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित करने पर ध्यान देगी जो सैनिकों को खतरे से बचा सकेगी। रोबोट टोही अभियान गोला-बारूद पहुंचाने, घायल सैनिकों को निकालने, बारूदी सुरंगें बिछाने और हटाने, ठिकानों की रक्षा करने और हमले करने जैसे मिशन पूरे कर सकते हैं। जहां इंसानी सैनिकों को ज्यादा खतरा हो, वहां मशीनों को भेजा जाएगा।

क्या है योजना?

फेडोरोव की योजनाओं में ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट (इंसान जैसे दिखने वाले रोबोट) बनाना शामिल है जो युद्ध के मैदान के बुनियादी काम कर सकें। दूसरे रोबोटिक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल ड्रोन के साथ मिलकर टोही अभियान, लॉजिस्टिक्स और लड़ाई के काम के लिए किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर | **एडीआर रिपोर्ट: नगालैंड और बंगाल में सबसे ज्यादा दलबदलू, 26% भाजपा में गए**

4 साल में 111 सांसद-विधायकों ने पार्टी बदली

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में 2022 से 2026 के बीच चुनाव जीतने के बाद 111 सांसदों और विधायकों ने पार्टी बदली। इनमें 26 लोकसभा सांसद, 7 राज्यसभा सांसद और 78 विधायक शामिल हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

इसके मुताबिक, पार्टी बदलने के सबसे ज्यादा मामले नगालैंड और पश्चिम बंगाल में सामने आए। नगालैंड में 32 विधायक एनपीएऊ में शामिल हुए। इनमें से 25 विधायक पहले एनडीपीपी के टिकट पर चुने गए थे। दूसरी पार्टियों में शामिल होने वाले सांसदों-विधायकों में 29 यानी 26% भाजपा में गए। वहीं कांग्रेस में 9 यानी 8% सांसद-विधायक शामिल हुए।

बंगाल में 20 लोकसभा सांसदों ने पार्टी बदली

पश्चिम बंगाल में पार्टी बदलने के 20 मामले लोकसभा सांसदों के हैं। ये सभी एआईटीसी से चुनाव जीते, बाद में एनसीपीआई में चले गए। सांसदों ने पार्टी में विलय का दावा किया। अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को फैसला लेना है।

तेलंगाना में 9 विधायक कांग्रेस में गए, महाराष्ट्र में 6 सांसद शिंदे गुट में

तेलंगाना में 9 विधायक पार्टी बदलने वालों में शामिल हैं। ये सभी बीआरएस से चुने गए थे और कांग्रेस में गए। गोवा में 8 कांग्रेस विधायकों के भाजपा में जाने के मामले सामने आए। महाराष्ट्र में 6 लोकसभा सांसदों ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना से एकनाथ शिंदे की शिवसेना का रुख किया।

एनडीपीपी से सबसे ज्यादा नेता बाहर गए

जिन पार्टियों के नेताओं ने पार्टी बदली, उनमें सबसे ज्यादा एनडीपीपी के 25, तृणमूल कांग्रेस के 20 और कांग्रेस के 19 नेता शामिल हैं। बीआरएस के 9, आम आदमी पार्टी और एनसीपी के 7-7, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब) के 6, जद (यू) के 5 व एनपीपी के 4 नेता रहे। एनडीपीपी, एआईटीसी और कांग्रेस से पार्टी बदलने वाले नेताओं की संख्या 64 यानी कुल मामलों की 58% रही।

एनपीएफ में 32 और भाजपा में 29 नेता शामिल हुए

दूसरी पार्टियों से सबसे ज्यादा नेता एनपीएफ में 32 शामिल हुए। भाजपा में 29, एनसीपीआई में 20, कांग्रेस में 9, शिवसेना में 8, एनपीपी में 6 और पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल में 4 नेता शामिल हुए। एनपीएफ, भाजपा और एससीपीआई में शामिल होने वाले नेताओं की संख्या 81 यानी कुल मामलों की 73% रही।

एडीआर ने दलबदल कानून में बदलाव सुझाए

एडीआर कहा कि कुछ राज्यों में विधायकों के दलबदल को सरकार गिरने से भी जोड़ा गया। सांसदों और विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला लेने की व्यवस्था में बदलाव का सुझाव दिया है। सांसदों के मामले में यह अधिकार राष्ट्रपति-विधायकों के मामले में राज्यपाल को देने की सिफारिश की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524